RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

पेज 7 नोरा फतेही ने लॉस एंजिल्स में...

वर्ष : 27 अंक : 253 website:www.chetnamanch.com नोएडा, सोमवार, 01 सितंबर, 2025 Chetna Manch Chetna Manch मूल्य 2.00 रु. पेज: 8

अफगानिस्तान में भूकंप से बड़ी तबाही, 622 लोगों की मौत

मलबे का ढेर बने सैकड़ों मकान, 6.0 तीव्रता के भूकंप ने मचाया कोहराम

काबुल (एजेंसी)। भारत के पड़ोसी देश अफगानिस्तान में भूकंप ने भारी तबाही मचाई है। अफगानिस्तान के दक्षिणी पूर्वी हिस्से में देर रात भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता इतनी अधिक थी कि सैकड़ों घर मलबे में तब्दील हो गए। इस दौरान 600 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और कई लोग बुरी तरह से जख्मी हैं। वहीं, भूकंप के झटकों का असर पाकिस्तान और भारत में भी देखा गया है। देर रात एनसीआर के दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं।

1 सितंबर 2025 को पूर्वी अफगानिस्तान के नंगरहर प्रांत में 6.0 तीव्रता का भूकंप आया, जिससे सैकड़ों लोगों की मौत हो गई है। जर्मन रिसर्च सेंटर फॉर जियोसाइंसेज के अनुसार, भूकंप का केंद्र जालालाबाद शहर से 27 किलोमीटर पूर्व में था। इसकी गहराई मात्र 10 किलोमीटर थी।

अफगान के नांगरहार जन स्वास्थ्य विभाग ने प्रवक्ता नकीबुल्लाह रहीमी ने भी भूकंप की पुष्टि की है। रहीमी का कहना है कि भूकंप के तेज झटकों से कई घर धराशायी हो गए। शुरुआत में 9 लोगों की मौत और 15 लोगों के घायल होने की खबर सामने आई थी। मगर, अब 600 से ज्यादा लोगों की मौत की आशंका जताई जा रही है और एक हजार से ज्यादा लोग घायल हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती किया गया है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने भी इसे 6.0 तीव्रता का बताया, जो रिक्टर स्केल पर मध्यम लेकिन उथले भूकंप को दर्शाता है। यह भूकंप रविवार रात 11.47 बजे स्थानीय समय पर आया, जो पाकिस्तान सीमा के पास है।

नंगरहर स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता अजमल दर्वाइश ने बताया कि मौतें और चोटें मुख्य रूप से जालालाबाद और आसपास के इलाकों में हुईं। 20 मिनट बाद 4.5 तीव्रता का दूसरा झटका आया। बाद में 5.2 तीव्रता का. अफगानिस्तान हिंदू कुश क्षेत्र में स्थित है,जहां टेक्टॉनिक प्लेट के कारण भूकंप आम हैं।

दिल्ली-एनसीआर में भी कांपी धरती

अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप का असर दिल्ली एनसीआर तक देखने को मिला। आधी रात को अचानक धरती हिलने से कई लोग अपने घरों से निकालकर बाहर भागे। लोगों में दहशत का माहौल था। हालांकि, अफगानिस्तान की तुलना में दिल्ली एनसीआर में भूकंप के झटके हल्के थे, जिससे कोई जानमाल की हानि नहीं हुई।

रविवार रात 11.47 बजे (स्थानीय समय) था, जब लोग सो रहे थे. दूसरा झटका 4.5 तीव्रता का 20 मिनट बाद आया। तीसरा 5.2 तीव्रता का। अफगानिस्तान हिंदू कुश पर्वत श्रृंखला में है, जहां यूरोएशियन प्लेट, अरबियन प्लेट और इंडियन प्लेट के टकराव से भूकंप आते हैं. यहां सालाना 100 से ज्यादा भूकंप होते हैं, लेकिन 6.0 से ऊपर के दुर्लभ।

विधायक पंकज सिंह ने किया स्वदेशी अपनाने का आह्वान

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं विधायक नोएडा पंकज सिंह ने आज नोएडा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गांवों का दौरा किया।

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बिशनपुरा, हज़रतपुर वाजिदपुर के बारात घर तथा नवादा के बारात घर में ग्रामीणों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना।

जनसंवाद में ग्रामीणों ने पानी और सीवर की समस्या प्रमुख रूप से उठाई। इस पर विधायक पंकज सिंह ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्राथमिकता के आधार पर इन समस्याओं को दुरुस्त करने के निर्देश दिए और आश्वासन दिया कि जनता की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

जनसंवाद के बाद उन्होंने स्थानीय लोगों संबोधन में नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में देश और प्रदेश में हो रहे चहुमुखीं विकास और लोक कल्याणकारी नीतियों और योजनाओं के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने कहा कहा कि हाल ही में नोएडा में माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आत्मनिर्भर भारत की नींव को और शसक्त करने की दिशा में एक ड्रोन फैक्ट्री का उद्घाटन किया, जो न केवल उत्तर प्रदेश बल्कि पूरे भारत ही नहीं अपितु विश्व स्तर पर नोएडा की पहचान को और मज़बूत करेगा। (शेष पृष्ठ-4 पर)

घर से लापता दो किशोरियां

नोएडा (चेतना मंच)। दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से दो किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। एक मामले में किशोरी के परिजनों ने चार लोगों पर शक जताते हुए मामला दर्ज कराया है। ग्राम रायपुर खादर में किराए पर रहने वाले प्रवेश (काल्पनिक नाम) ने थाना सेक्टर-126 में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनकी (15 वर्षीय) बेटी 29 अगस्त की दोपहर को घर से बिना बताए कहीं चली गई। काफी देर तक जब वह घर नहीं लौटी तो उसकी तलाश शुरू की गई। लेकिन कोई पता नहीं चला। बेटी की खोजबीन के दौरान उन्हें पता चला कि चंद्रपाल उसकी पत्नी बेटी तथा टिंकू ने उसकी बेटी को साजिश के तहत भगाया है। प्रवेश ने आशंका जताई है कि उसकी नाबालिक बेटी के साथ कुछ अनहोनी हो सकती है। (शेष पृष्ठ-4 पर)

भारत-रूस कंधे से कंधा मिलाकर चलें : प्रधानमंत्री

चीन में पीएम मोदी व राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय वार्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग परिषद (एससीओ) के सदस्यों के सत्र को संबोधित किया। इस दौरान प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत पिछले चार दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। हाल ही में हमने पहलगाम में आतंकवाद का सबसे बुरा रूप देखा। मैं इस दुख की घड़ी में हमारे साथ खड़े होने वाले मित्र देश के प्रति आभार व्यक्त करता हूं। समिट के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन के बीच द्विपक्षीय वार्ता हुई। इस वार्ता में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत और रूस कंधे से कंधा मिलाकर चलें। रूस भारत के (शेष पृष्ठ-4 पर)

> *"आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद बड़ी चुनौतियां हैं। आतंकवाद पूरी मानवता के लिए साझा चुनौती है। कोई देश, कोई समाज अपने आप को इससे सुरक्षित नहीं समझ सकता, इसलिए आतंकवाद से लड़ाई में भारत ने एकजुटता पर बल दिया है।*
>
> *-प्रधानमंत्री, नरेंद्र मोदी*

एक कार में निकले पीएम मोदी और पुतिन

एससीओ समिट के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक ही कार में निकले. दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय वार्ता होगी। दोनों नेता ऐसे समय में मिल रहे हैं, जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर दबाव बनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने कार में सफर की तस्वीर अपने सोशल मीडिया हैंडल पर भी शेयर की है।

विकलांगों के उपकरण बनाने वाली कंपनी में लगी आग

नोएडा(चेतना मंच)। थाना फेस-1 स्थित विकलांगों के उपकरण बनाने वाली कंपनी में सुबह आग लग गई। आग की सूचना पर मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियों ने भारी मशक्कत के बाद काबू पाया। लेकिन तब कंपनी मे रखा सारा समान जल कर खाक हो गया। आग में किसी के फंसे होने या हताहत होने की सूचना नहीं है फायर ब्रिगेड टीम आग लगने के कारणों (शेष पृष्ठ-4 पर)

खता करें उद्यान विभाग, सजा मिले जनस्वास्थ्य विभाग को

नोएडा (चेतना मंच)। उद्यान विभाग की लापरवाही के कारण जनस्वास्थ्य विभाग की मुसीबत बढ़ती जा रही है। कई आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने बताया कि पिछले 2-3 माह से उद्यान विभाग सेक्टरों में पेड़ों की छंटाई कर रहा है। छंटाई करने के बाद उद्यान विभाग के कर्मचारी पत्तियों तथा छोटी-छोटी पेड़ों की शाखाएं सड़क व नालियों में डाल देते हैं जिससे सड़कों पर कई दिनों तक पत्तियां सड़ती रहती हैं तथा (शेष पृष्ठ-4 पर)

उद्यमी की अश्लील फोटो महिला मित्र के पास, ब्लैकमेल का डर

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 में एक उद्यमी ने अपनी महिला मित्र के खिलाफ अश्लील फोटो के आधार पर ब्लैकमेल करने, झूठे मुकदमे में फंसाने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है।

सेक्टर-116 में रहने वाले उद्यमी मनोज चौहान (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 28 अगस्त की रात्रि को वह अपनी महिला मित्र से मिलने के लिए उसके सेक्टर-79 स्थित फ्लैट पर गया था। उसकी महिला मित्र ने उसे खाने में कुछ मिलाकर दे दिया। इसके बाद में बेहोश हो गया महिला मित्र ने उसकी अश्लील फोटो व वीडियो बनाकर उन्हें उसके ऑफिस के व्हाट्सएप फोन नंबर व जीमेल पर डाल दिया। उसके स्टाफ ने उसे अश्लील फोटो व वीडियो के बारे में जानकारी दी। जिसके बाद उसने जांच पड़ताल की फोटो वीडियो देखकर उसे काफी गिलानी महसूस हुई।

मनोज चौहान का कहना है कि उसकी महिला मित्र ने कंपनी का लोन भी उसे पर्सनल पैसे उधार लिए हुए हैं। (शेष पृष्ठ-4 पर)

पुलिस को देख भागा बदमाश, गोली ने किया लंगड़ा

नोएडा (चेतना मंच)। लूट व चोरी की वारदातों को अंजाम देने वाला एक ईनामी बदमाश थाना सेक्टर-39 पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में घायल हो गया। पुलिस की गोली बदमाश के पैर में लगी है। बदमाश के पास से तमंचा, कारतूस, छीने गए मोबाइल फोन व चोरी की बाइक बरामद हुई है।

नोएडा जोन के डीसीपी यमुना प्रसाद ने बताया कि पुलिस टीम सेक्टर-44 के पास सर्विस रोड पर बैरियर लगाकर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस को देखकर बाइक पर आ रहा है एक युवक मुड़कर भागने लगा। हड़बड़ाहट में उसकी बाइक स्लिप होकर गिर गई। खुद को घिरा देखकर बदमाश ने फायरिंग कर दी।

पुलिस द्वारा की गई जवाबी फायरिंग में एक गोली बदमाश के पैर में लगी और वह घायल हो गया। पकड़े गए बदमाश की पहचान समीर पुत्र सलाउद्दीन निवासी ग्राम टाडा मोहल्ला मुकीम वाली गली थाना मंडी जनपद बुलंदशहर के रूप में हुई।

डीसीपी ने बताया कि पकड़ा गया बदमाश हाल में खड्डा कॉलोनी जैतपुर (शेष पृष्ठ-4 पर)

कार का शीशा तोड़कर लैपटॉप निकाला

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा थाना सेक्टर-142 क्षेत्र के शहदरा मार्केट में खरीदारी करने गए एक व्यक्ति की कार का शीशा तोड़कर चोरों ने लैपटॉप व जरूरी दस्तावेज चोरी कर लिए। सेक्टर-137 स्थित पैरामाउंट फ्लोराविन सोसायटी में रहने वाले दंपत्ति शेषगिरी राव ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह वर्तमान में जेवर एयरपोर्ट में कार्यरत हैं। 7 अगस्त की शाम को वह कुछ खरीदारी करने के लिए शहदरा गांव की मार्केट आए थे। उन्होंने अपनी कार लॉजिक काउंटी सोसाइटी के गेट नंबर-2 पर खड़ी कर दी और खरीदारी करने के लिए चले गए। कुछ देर बाद जब वह वापस लौटे तो उनकी गाड़ी की खिड़की का शीशा टूटा हुआ था और कार में रखा लैपटॉप बैग, (शेष पृष्ठ-4 पर)

सेक्टर-47 में चला एंटी-रेबीज़ टीकाकरण अभियान

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-47 में आरडब्ल्यूए की पहल पर सोमवार को एंटी-रेबीज़ टीकाकरण अभियान चलाया गया। इस दौरान कुल 32 कुत्तों को टीका लगाया गया। अभियान का नेतृत्व आरडब्ल्यूए अध्यक्ष प्रवेश शर्मा ने किया।

अभियान के लिए एनजीओ से संपर्क साधा गया। वहीं सेक्टर के निवासियों ने भी बढ़-चढ़कर सहयोग दिया। जिसमें सजल, आरती, सुयश और जगत समेत कई लोगों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

आरडब्ल्यूए की ओर से सभी सहयोगियों का आभार जताते हुए कहा गया कि इस तरह की पहल से न केवल पशुओं की सुरक्षा होती है बल्कि क्षेत्रवासियों को भी रेबीज़ जैसी गंभीर बीमारी से बचाव मिलता है। टीकाकृत कुत्तों की पहचान के लिए उनके गले में पट्टे भी लगाए गए।

समय पर न्याय

यह सुखद ही है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए। लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। लेकिन यहां विचारणीय प्रश्न यह भी कि जिला स्तर पर न्यायालयों में लंबित मामलों का ग्राफ लगातार क्यों बढ़ता जा रहा है। जिला अदालतों में साढ़े चार करोड़ मामलों का लंबित होना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जिसके लिये न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। दरअसल, कुछ समाजशास्त्री मानते रहे हैं कि महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की वजह वह जटिल व्यवस्था भी है, जिसके चलते अपराधी बच निकलने का रास्ता निकाल लेते हैं। किसी भी वारदात के बाद आम विमर्श का विषय होता है कि अपराधियों में पुलिस व कानून का भय नहीं रह गया है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निर्विवाद रूप से देश के सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर ऐसे युगांतरकारी फैसले दिये हैं, जिन्होंने न केवल संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की बल्कि महिलाओं-बच्चों व पीड़ित पक्षों को न्याय भी दिलाया है। साथ ही समय-समय पर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की है। यही वजह है कि व्यक्ति न्यायालय को अंतिम न्याय की किरण के रूप में देखता रहा है। शीर्ष न्यायालय ने जनाकांक्षाओं से जुड़े गंभीर मामलों में कई बार स्वतः संज्ञान लेते हुए संकटमोचक की भूमिका भी निभायी है। हाल ही में कोलकाता की डॉक्टर के साथ हुए वीभत्स कांड के बाद डॉक्टरों की सुरक्षा के लिये राष्ट्रीय प्रोटोकॉल तैयार करने में भी शीर्ष अदालत ने बड़ी पहल की थी। निस्संदेह, भारतीय न्यायिक व्यवस्था की रीढ़ कही जाने वाली जिला अदालतें भी इस दिशा में बदलावकारी पहल कर सकती हैं। जिससे आम आदमी का न्यायिक व्यवस्था में भरोसा और मजबूत हो सकेगा।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि गौतम मुनि की स्त्री अहल्या शापवश पत्थर की देह धारण किए बड़े धीरज से आपके चरणकमलों की धूलि चाहती है। हे रघुवीर! इस पर कृपा कीजिए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

परसत पद पावन सोकनसावन प्रगट भई तपपुंज सही।
देखत रघुनायक जन सुखदायक सनमुख होइ कर जोरि रही॥
अति प्रेम अधीरा पुलक शरीरा मुख नहिं आवइ बचन कही।
अतिसय बड़भागी चरनन्हि लागी जुगल नयन जलधार बही॥

श्री रामजी के पवित्र और शोक को नाश करने वाले चरणों का स्पर्श पाते ही सचमुच वह तपोमूर्ति अहल्या प्रकट हो गई। भक्तों को सुख देने वाले श्री रघुनाथजी को देखकर वह हाथ जोड़कर सामने खड़ी रह गई। अत्यन्त प्रेम के कारण वह अधीर हो गई। उसका शरीर पुलकित हो उठा, मुख से वचन कहने में नहीं आते थे। वह अत्यन्त बड़भागिनी अहल्या प्रभु के चरणों से लिपट गई और उसके दोनों नेत्रों से जल (प्रेम और आनंद के आँसुओं) की धारा बहने लगी॥

धीरजु मन कीन्हा प्रभु कहुँ चीन्हा रघुपति कृपाँ भगति पाई।
अति निर्मल बानी अस्तुति ठानी ग्यानगम्य जय रघुराई॥
मैं नारि अपावन प्रभु जग पावन रावन रिपु जन सुखदाई।
राजीव बिलोचन भव भय मोचन पाहि पाहि सरनहिं आई॥

फिर उसने मन में धीरज धरकर प्रभु को पहचाना और श्री रघुनाथजी की कृपा से भक्ति प्राप्त की। तब अत्यन्त निर्मल वाणी से उसने (इस प्रकार) स्तुति प्रारंभ की- हे ज्ञान से जानने योग्य श्री रघुनाथजी! आपकी जय हो! मैं (सहज ही) अपवित्र स्त्री हूँ, और हे प्रभो! आप जगत को पवित्र करने वाले, भक्तों को सुख देने वाले और रावण के शत्रु हैं। हे कमलनयन! हे संसार (जन्म-मृत्यु) के भय से छुड़ाने वाले! मैं आपकी शरण आई हूँ, (मेरी) रक्षा कीजिए, रक्षा कीजिए॥

(क्रमशः..)

महिलाओं को आगे बढ़ाने के भगीरथ प्रयास क्यों नहीं

भारत में महिलाओं की मुक्ति तथा सशक्तिकरण का प्रश्न स्वतंत्रता एवं भारत की मुक्ति के साथ अनिवार्य रूप से प्रासंगिक हो गया हैद्य स्वतंत्र काल से जुड़ी हुई महिला सशक्तिकरण की यात्रा आज तक अनवरत जारी हैद्य आज भी महिलाएं सामाजिक राजनीतिक आर्थिक एवं सांस्कृतिक सभी मोर्चों और सवालों पर पुरुषों के समकक्ष संघर्ष करती नजर आ रही हैद्य आज राष्ट्र निर्माण में नारी अपनी भूमिका से न केवल परिचित है।

बल्कि उसकी गंभीर जिम्मेदारी का निर्वहन करने के लिए भी तत्पर व सक्षम हैद्य वर्तमान में भारत विश्व की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैद्य भारत विकास की दर आज बड़ी से बड़ी वैश्विक शक्ति से टक्कर लेने की जद पर हैद्य विकास की गाथा में देश की आधी आबादी यानी महिलाओं की भूमिका बढ़ती जा रही हैद्य अनेक सामाजिक आर्थिक विसंगतियों के बावजूद आज हर मोर्चे पर महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होती दिखाई दे रही हैद्य यह आत्मविश्वास उन्हें सदियों के संघर्ष के बाद हासिल हुआ है, प्राचीन काल में अपाला तथा गोसा जैसी विदुषी महिलाओं ने अपनी कीर्ति पताका फैलाई थी, भारतीय समाज में उन्हें सम्मान और बराबरी का दर्जा दिया गया है ,परंतु मध्यकाल में भारत अपनी संकुचित एवं संकट दृष्टि का शिकार हो गया महिलाओं को घर की चारदीवारी में कैद होना पड़ा थाद्य इसी के साथ कैद हो गई थी उनकी संपूर्ण योग्यता,ऊर्जा, शक्ति, आकांक्षाएं और व्यक्तित्व विकास की संभावनाएंद्य भारत एवं भारत के बाहर विदेशों में भारतीय मूल की ऐसे सैकड़ों महिलाएं हैं।

जिन्होंने भारत देश का नाम रोशन किया है उनके नाम की सूची बड़ी लंबी है उनका उल्लेख न करते हुए समग्र रूप से उनका नमन करते हुए यह बताना चाहूंगा कि महिलाएं निरंतर उच्च पदों पर आसीन हो रही है इन सब के साथ सबसे पुराने बजट तथा घर के अर्थशास्त्र को संभालने की भूमिका का भी कुशलतापूर्वक सदियों से प्रबंधन करती आ रही हैद्य इसके साथ ही वे अपनी शैक्षणिक योग्यता में निरंतर सुधार कर रही है जनसंख्या गणना के आंकड़े भी इसकी पुष्टि करते हैं, महिलाएं जहां शिक्षा, प्रशासन,मेडिकल क्षेत्र, इंजीनियरिंग, स्पेस रिसर्च, विज्ञान टेक्नोलॉजी और उद्यानिकी ,एग्रीकल्चर, सेरीकल्चर और तमाम क्षेत्रों में असाधारण रूप से शिक्षा प्राप्त कर प्रगति कर रही और उच्च पदस्थ होकर कार्यों का कुशलता से संपादन कर रही हैंद्य सामाजिक कुरीतियों के विरोध में समाज को आगाह करने और उसका विरोध करने में भी महिलाएं पीछे नहीं है, फिर चाहे वह शनि सिंगनापुर हाजी अली दरगाह या तीन तलाक के मामले में इनकी सजगता ने सामाजिक परिवर्तन लाया है। सरकार भी इनकी इस भूमिका को स्वीकार करते हुए थल जल और वायु सेना में युद्धक की भूमिका मैं इनकी नियुक्ति कर रही है। हम यदि राजनीतिक क्षेत्र की चर्चा करें तो पंचायती स्तरों पर महिला प्रधानों ने गंभीर परिवर्तन के प्रयास किए, किंतु हमें यहां हमेशा स्मरण रखना चाहिए की देश के आर्थिक विकास में अभी भी महिलाओं को वह भागीदारी व सम्मान नहीं मिल पा रहा है जिसके लिए वह पूर्णरूपेण हकदार है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन ने अपनी एक रिपोर्ट में बताया की श्रम बल भागीदारी में महिलाओं की भागीदारी 25त्न से भी कम हो गई है। महिलाओं को अनेक सामाजिक आर्थिक सांस्कृतिक एवं मनोवैज्ञानिक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार महिलाओं को समान पदों पर कार्यरत पुरुषों की तुलना में कम वेतन दिया जाता है तथा अधिकांश शीर्ष पदों पर पुरुषों का कब्जा है के अलावा दुनिया की सबसे कम तनखा वाली नौकरियों में 60 प्रतिशत महिलाएं ही हैं।

महिलाओं द्वारा अनेक चुनौतियों का सामना करते हुए पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाते हुए कार्यस्थल पर कार्य करते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इन परिस्थितियों में महिलाओं द्वारा दिए गए सामाजिक आर्थिक विकास के योगदान को पहचानते हुए सरकार ने मातृत्व लाभ अधिनियम 2016 तथा यौन उत्पीड़न अधिनियम 2013 के माध्यम से अनुकूल वातावरण तथा महिलाओं को मातृत्व अवकाश देने के कई अच्छे प्रावधान भी उपलब्ध कराए हैं। इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड अपने आंकड़ों से स्पष्ट करता है की किस प्रकार महिलाओं की श्रमबल में अधिक भागीदारी जीडीपी में अप्रत्याशित वृद्धि करता है। पूरा विश्व इस बात से सहमत है की महिलाएं कोमल है पर कमजोर नहीं एवं शक्ति का नाम ही नारी है। हिंदुस्तान के विकास में सही मायने में यदि 50 प्रतिशत भागीदारी महिलाओं की हो तो असाधारण क्षमता की धनी महिलाएं इस देश को विश्व के अन्य विकसित देशों में खड़ा कर सकती हैं, जरूरत इनकी शक्ति क्षमता एवं योग्यता को पहचानने की है। 21वीं सदी में विश्व शक्ति रूप भारत के सामाजिक आर्थिक एवं राजनीतिक विकास में महिलाओं का सर्वांगीण विकास को आधार बनाकर आर्थिक महाशक्ति के स्वप्न को साकार किया जा सकता है।

-संजीव ठाकुर ,चिंतक, लेखक, स्तंभकार।

ट्रंप को जवाब देती भारत की आर्थिकी

यकीनन इन दिनों पूरी दुनिया आश्चर्य के साथ देख रही है कि जब अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ हथियार के डर से दुनिया के अधिकांश देश अमरीका के सामने झुकते हुए उसकी व्यापार शर्तों को मानते हुए दिखाई दे रहे हैं, तब भारत अमरीका के साथ कारोबार समझौते के तहत अपने करोड़ों किसानों और मछुआरों के हितों के मद्देनजर अमरीका के सामने बिना झुके अपनी शर्तों के साथ अडिग खड़े हुए है और तेजी से बढ़ती भारत की अर्थव्यवस्था ट्रंप को जवाब दे रही है। 29 अगस्त को प्रकाशित वित्त वर्ष 2025-26 के तहत अप्रैल-जून 2025 की तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 7.8 फीसदी की वृद्धि दर्ज हुई है। एक साल पहले, अप्रैल-जून 2024 की तिमाही में यह आंकड़ा 6.5 फीसदी था। इसी परिप्रेक्ष्य में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की विकास दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान लगाया है। गौरतलब है कि ट्रंप के द्वारा 27 अगस्त से भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ से भारत से होने वाले निर्यात और भारतीय अर्थव्यवस्था पर पडने वाले प्रभाव से निपटने के लिए रणनीतिक तैयारी का परिदृश्य दिखाई दे रहा है। 29 अगस्त को वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि सरकार टैरिफ चुनौती के मद्देनजर कई उपायों की तैयारी कर रही है। चूंकि ट्रंप की ओर से भारतीय उत्पादों पर लगाए गए टैरिफ से अमरीका को भारत से होने वाले वस्तु निर्यात का करीब 55 फीसदी यानी करीब 48 अरब का निर्यात प्रभावित हो सकता है।

पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने अपने कुल निर्यात का पांचवां हिस्सा यानी करीब 86.5 अरब डालर मूल्य की वस्तुओं का अमरीका को निर्यात किया था। ऐसे में भारत के निर्यातकों के सामने कुछ चुनौतियां खड़ी होती हुई दिखाई दे रही हैं। इसमें भी कोई दो मत नहीं है कि अमरीका द्वारा लगाए गए ऊंचे शुल्क और वैश्विक अनिश्चितताओं का असर इस वित्त वर्ष 2025-26 में घरेलू निजी निवेश पर पड़ सकता है। भारत और अमरीका के बीच व्यापार करार नहीं होने की स्थिति में कुछ क्षेत्रों को कुछ प्रभाव के लिए तैयार रहना होगा, विशेष रूप से सूक्ष्म, लघु और मध्यम उपक्रम क्षेत्र को चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। यह कोई छोटी बात नहीं है कि हाल ही में अमरीकी ग्लोबल रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ने कहा कि अमरीका के द्वारा भारत पर 50 फीसदी ऊंचे टैरिफ लगाने से भारत की आर्थिक तरक्की पर कोई खास असर नहीं होगा और भारत की अर्थव्यवस्था बढने की प्रवृत्ति बनाए रखेगी। भारत की 'सॉवरेन रेटिंग' का नजरिया अभी भी सकारात्मक बना रहेगा। चूंकि भारत एक निर्यात-उन्मुख अर्थव्यवस्था नहीं है, ऐसे में भारत को टैरिफ संबंधी ज्यादा चिंता करने की जरूरत नहीं है। इसी तरह मॉर्गन स्टैनली रिसर्च के एक विश्लेषण में कहा गया है कि भारत की घरेलू मांग मजबूत होने के कारण अमरीका के द्वारा भारत से निर्यात पर ऊंचे टैरिफ लागू किए जाने से विकास दर पर आधा फीसदी से भी अधिक असर होगा। ऐसे में भारत के द्वारा ट्रंप टैरिफ के मुकाबले के लिए छह सूत्रीय रणनीति जरूरी दिखाई दे रही है। एक, नए निर्यात बाजार में कदम रखे जाएं। दो, तेज बढ़ते घरेलू बाजार व अनुकूल आर्थिक परिदृश्य से विकास दर बढ़ाई जाए। तीन, मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की डगर पर तेजी से आगे बढ़ा जाए। चार, स्वदेशी अपनाएं। पांच, सेवा निर्यात बढ़ाएं और छह, अमरीका के साथ व्यापार संवाद लगातार कायम रखा जाए। यह बात महत्वपूर्ण है कि भारत ने निर्यातकों को सहारा देने की नई रणनीति सुनिश्चित की है। निर्यात को बढ़ावा देने के लिए 40 देशों में विशेष संपर्क कार्यक्रम चलाने की योजना बनाई है। इस पहल के तहत ब्रिटेन, जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, फ्रांस, इटली, स्पेन, नीदरलैंड, पोलैंड, कनाडा, मेक्सिको, रूस, बेल्जियम, तुर्किये, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और आस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख देशों को शामिल किया गया है। सरकार अमरीका से इतर अन्य देशों से मित्रता मजबूत कर रही है। 29-30 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जापान के साथ मैत्री का अध्याय मजबूत किया और टोक्यो में ऐलान किया कि जापानी तकनीक और भारतीय टेलेंट दुनिया को बदल देंगे। भारत के द्वारा चीन और रूस के साथ भी विदेश व्यापार के नए अध्याय आगे बढ़ाए जा रहे हैं।

ट्रंप टैरिफ से मुकाबले के लिए ऐसे उपायों के साथ-साथ भारत ने सरल कर व्यवस्था और लोगों की क्रयशक्ति बढ़ाकर घरेलू खपत बढ़ाने की योजना बनाई है। भारत घरेलू खपत बढ़ाकर कुछ हद तक अमरीकी व्यापार में हुए नुकसान की भरपाई कर सकता है। वैश्विक व्यापार में हो रहे उतार-चढ़ाव के बीच भारत को बचाने में भारत की घरेलू खपत अहम भूमिका निभा रही है। पिछले वर्ष 2024 में भारत का खुदरा बाजार 1060 अरब डॉलर का था, यह सालाना 10 फीसदी की दर से बढ़ते हुए 2030 तक 1930 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। निस्संदेह भारत एफटीए की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत के द्वारा ईएफटीए, यूएई, ऑस्ट्रेलिया और यूके के साथ किए गए एफटीए अत्यधिक महत्वपूर्ण हैं। भारत को यूएई और ऑस्ट्रेलिया के साथ एफटीए से मजबूत लाभ हुआ है। यूएई के साथ, पिछले चार-पांच वर्षों में सेवाओं का निर्यात लगभग दोगुना हो गया है। हाल ही में उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री ने राज्यसभा में बताया कि भारत और ओमान के बीच एफटीए को लेकर बातचीत पूरी हो चुकी है और जल्द ही दोनों के बीच शीघ्र ही एफटीए पर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है और इस वर्ष 2025 के अंत तक यूरोपीय यूनियन के साथ एफटीए लागू होने की पूरी संभावना है। इससे भारत के लिए दुनिया का एक बड़ा और महत्वपूर्ण बाजार खुल जाएगा। विगत 10 जुलाई को भारत में स्विटजरलैंड की राजदूत माया तिस्साफी ने कहा कि भारत और 4 सदस्य देशों आइसलैंड, स्विटजरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टीन वाले यूरोपिटन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (ईएफटीए) के बीच व्यापार समझौता अक्टूबर 2025 से लागू हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि 24 जुलाई को भारत और ब्रिटेन (यूके) के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के पीएम किएर स्टार्मर की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए हैं।

भारत के द्वारा कतर, न्यूजीलैंड, पेरू, चिली, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य देशों के साथ भी एफटीए को शीघ्रतापूर्वक अंतिम रूप देने की डगर पर आगे कदम बढ़ाए जा रहे हैं। निश्चित रूप से अब नई रणनीति के तहत घरेलू खपत बढ़ाने हेतु स्वदेशी अपनाने और स्वेदशी उद्योग-कारोबार को हरसंभव तरीके से प्रोत्साहित किया जाना जरूरी होगा। साथ ही पूरी दुनिया में भारत के सेवा निर्यात को तेज रफ्तार से बढ़ाना होगा। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में भारत से 385 अरब डॉलर का सेवा निर्यात किया गया, अब इस वर्ष भारत को 450 अरब डॉलर का लक्ष्य पाने की दिशा में रणनीतिक रूप से आगे बढना होगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि इस समय भारत और अमरीका के बीच द्विपक्षीय कारोबार समझौते (बीटीए) और अंतरिम व्यापार समझौते के लिए संवाद बनाए रखना होगा। 27 अगस्त को नया टैरिफ लागू होने के बाद भी भारत-अमरीका के बीच व्यापार वार्ता आगे बढ़ी है। अमरीका ने कहा कि दोनों देश साथ आएंगे और व्यापार वार्ता से विश्वास बहाल होगा। उम्मीद करें कि भारत ट्रंप टैरिफ से निर्मित निराशाजनक वैश्विक पृष्ठभूमि में सबसे आकर्षक वृहद आर्थिक गाथा के साथ नए निर्यात बाजार, एफटीए, स्वदेशी, सेवा निर्यात की संभावनाओं को बढ़ाते हुए ट्रंप के 50 फीसदी ऊंचे टैरिफ की चुनौतियों से निपटते हुए आर्थिक डगर पर लगातार आगे बढ़ेगा।

-डा. जयंती लाल भंडारी
विख्यात अर्थशास्त्री

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष नवमी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
बस एक दिन और ध्यान रखने की जरूरत है। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। कोई रिस्क न लें।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय। लेखकों और कवियों के लिए अच्छा समय। स्वास्थ्य पहले से बेहतर।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
गृह कलह के संकेत हैं। लेकिन भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। पराक्रम रंग लाएगा। व्यावसायिक ऊर्जा बढ़ चढ़कर रहेगी। अपनों का साथ होगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा होगा। अभी निवेश करने से बचें।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भाग्य साथ देगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। सौम्यता और सुकुमारता बढ़ेगी। आकर्षण के केंद्र बने रहेंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
धनागमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। जुआ, सट्टा व लॉटरी में पैसे न लगाएं। धन हानि के संकेत हैं।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। जरूरत के हिसाब से वस्तुएं उपलब्ध होंगी।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
मन चिंतित रहेगा। खर्च की अधिकता रहेगी। पार्टनरशिप में थोड़ी प्रॉब्लम के आसार हैं। सिर दर्द, नेत्र पीड़ा बनी रहेगी।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
आर्थिक क्रिया मजबूत होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा होगा। रुका हुआ धन वापस मिलेगा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, सो, द)
व्यावसायिक सफलता मिलेगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा, प्रेम, संतान का साथ होगा।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
भाग्य साथ देगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा। यात्रा का योग बनेगा।

विधायक ने शमशान घाट के विकास के लिए स्वीकृत किए 26 लाख रुपये

दादरी (चेतना मंच)। दादरी विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए क्षेत्रीय विधायक तेजपाल सिंह नागर ने छोलस गाँव में शमशान घाट के विकास के लिए 26 लाख की धनराशि स्वीकृत की है।

इस फैसले से न सिर्फ छोलस गाँव, बल्कि आस-पास के ग्रामीणों को भी अंतिम संस्कार की व्यवस्था में बेहतर सुविधा मिलेगी। ग्रामीणों की यह लंबे समय से मांग रही थी कि शमशान घाट का उचित निर्माण और सुदृढ़ीकरण हो, जिसे अब विधायक के प्रयासों से अमलीजामा पहनाया जा रहा है।

स्वीकृत परियोजना के अंतर्गत शमशान घाट परिसर का पक्का निर्माण, चारदीवारी, पेयजल सुविधा, बैठने की व्यवस्था और साफ-सफाई के लिए आवश्यक ढाँचे तैयार किए जाएंगे।

ग्रामीणों ने विधायक श्री नागर के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा कि यह कार्य न केवल सामाजिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि मानवीय दृष्टिकोण से भी अत्यंत आवश्यक था। इस अवसर पर विधायक तेजपाल नागर ने कहा कि दादरी विधानसभा के विकास और जनहित से जुड़े हर छोटे-बड़े कार्य मेरी प्राथमिकता हैं।

आईआईए की वार्षिक आम सभा का आयोजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। इंडियन इंडस्ट्रीज़ एसोसिएशन (आईआईए) ग्रेटर नोएडा चैप्टर की वार्षिक आम सभा (एजीएम) एवं अध्यक्षीय आधिकारिक भेंट (पीओवी) का सफल आयोजन रॉयल हैबिटैट सेंटर, ग्रेटर नोएडा में हुआ। इस अवसर पर संस्था के प्रमुख सदस्य, हितधारक एवं मीडिया प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सभा की अध्यक्षता आईआईए ग्रेटर नोएडा चैप्टर के चेयरमैन सरबजीत सिंह ने की, जबकि मंच संचालन सचिव हिमांशु पांडे ने किया। कार्यक्रम का शुभारंभ उपाध्यक्ष राजीव बंसल, चेयरमैन सरबजीत सिंह, विशारद गौतम, बाबूराम भाटी और जगदीश सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

पूर्व चेयरमैन राकेश बंसल की अनुमति से विपिन माहना ने वर्ष 2024-25 की आय-व्यय रिपोर्ट प्रस्तुत की। रिपोर्ट का सभी उपस्थित सदस्यों ने अवलोकन किया और इसे ध्वनिमत से अनुमोदित किया।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में दिनेश गोयल की अध्यक्षता में अध्यक्षीय आधिकारिक भेंट (पीओवी) का आयोजन हुआ। इस दौरान आईआईए महासचिव दीपक बजाज ने संगठन की आगामी गतिविधियों की जानकारी दी और सदस्यों को सहयोग, नवाचार और सक्रिय भागीदारी पर जोर देने का आह्वान किया।

सचिव हिमांशु पांडे ने विजन 2025 प्रस्तुत किया, जिसके अंतर्गत सदस्यता विस्तार, सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार और समाज में सकारात्मक प्रभाव बढ़ाने के लक्ष्य निर्धारित किए गए। वहीं, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने उपस्थित सदस्यों से संगठनात्मक उद्देश्यों पर ध्यान केंद्रित करने, नए सदस्यों को जोड़ने और सतत विकास हेतु सामूहिक प्रयास करने का आग्रह किया।

श्रीमद्भागवत कथा में प्रह्लाद, वामन और कृष्ण जन्म की लीला का वर्णन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। श्रीहरि बनवासी फाउंडेशन के तत्वावधान में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चतुर्थ दिवस का आयोजन श्री पीपल महादेव मंदिर, डेल्टा-1 में संपन्न हुआ। कथा व्यास साध्वी प्रीति पाराशर जी ने शाम 4 बजे से 7 बजे तक भक्तों को भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों की दिव्य कथाओं का रसपान कराया।

कथा के दौरान प्रह्लाद चरित्र, समुद्र मंथन, वामन अवतार, संक्षिप्त राम कथा और कृष्ण जन्मोत्सव का जीवंत वर्णन किया गया। भक्तों ने कथा श्रवण कर आध्यात्मिक आनंद का अनुभव किया।

साध्वी जी ने भक्त प्रह्लाद की अटूट विष्णु भक्ति, हिरण्यकश्यप का अहंकार और भगवान विष्णु के नरसिंह अवतार की कथा सुनाई, वहीं वामन अवतार प्रसंग में असुर राजा बलि के दर्प का अंत और ब्रह्मांडीय संतुलन की स्थापना का महत्व समझाया। कृष्ण जन्मोत्सव के प्रसंग ने उपस्थित श्रद्धालुओं को भक्ति

और उल्लास से भर दिया।

कथा में आज के यजमानों में शरद अर्चना त्यागी, अभय रश्मि त्यागी, मीनाक्षी (माही) माहेश्वरी, योगेन्द्र गीता वर्मा, ओमप्रकाशङ्कपूनम अग्रवाल, बबीता बंसल, सरोज अरोड़ा, ममता सिंह, सरोज तोमर, कुलदीप शर्मा, राकेश शर्मा, साधना, रश्मि अरोड़ा, अर्चना वशिष्ट, डी.के. अरोड़ा, आर.डी. तिवारी, रामावतार गुप्त, निशु गोयल, अजय केडिया सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कालोनियों में बिजली दिये जाने को लेकर करेंगे आंदोलन

नोएडा (चेतना मंच)। हिंडन नदी पुस्ता के आसपास बनी विभिन्न कॉलोनियों में बिजली दिए जाने की मांग पर राष्ट्रीय शहरी ग्रामीण विकास समिति ने अंकुर फार्म हाउस गणेश नगर सोरखा सेक्टर- 115, नोएडा पर आम सभा का आयोजन कर आंदोलन को तेज करने की रूपरेखा बनाई।

आमसभा में पहुंचे मुख्य आमंत्रित वक्ता सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, किसान परिषद के अध्यक्ष सुखबीर खलीफा व उदल आर्य, बबली शर्मा अखिल भारतीय किसान सभा के जिलाध्यक्ष डॉ रुपेश वर्मा एडवोकेट, जनवादी महिला समिति की जिलाध्यक्ष रेखा चौहान आदि नेताओं का कॉलोनी के लोगों ने फूल माला पहनाकर जोरदार तरीके से स्वागत किया।

वक्ताओं ने कहा कि लाखों नागरिक नोएडा जैसे शहर में आज के आधुनिक युग में बिना बिजली के रह रहे हैं यह किसी अभिशाप से कम नहीं है इसके लिए उन्होंने प्राधिकरण, जिला प्रशासन, बिजली विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार को आड़े हाथ लिया। और लोगों से एग्जिट होकर बड़ा आंदोलन करने के लिए प्रेरित किया।

सभा को समिति के नेता राजेश दुबे, हरगोविंद सिंह, हरी लाल गोपी, राम जी यादव, धर्मेंद्र सोलंकी, किरण देवी, गुड़िया देवी, रामदुलारे आदि ने संबोधित किया। सभा की अध्यक्षता समिति के नेता लायक हुसैन व संचालन जतिन यादव ने किया।

श्री आदर्श रामलीला कमेटी के विजय महोत्सव के लिए भूमि पूजन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सूरजपुर स्थित बाराही मंदिर रामलीला मैदान में आगामी श्री आदर्श रामलीला कमेटी सूरजपुर के विजय महोत्सव 2025 के सफल आयोजन के लिए विधिवत भूमि पूजन एवं हवन: यज्ञ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वेद मंत्रों की गूंज के बीच धार्मिक माहौल बना रहा।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष सत्यवीर सिंह भाटी ने बताया कि रामलीला मंचन करने वाले कलाकारों का चयन सहित लगभग सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। वहीं महासचिव सत्यपाल शर्मा ने जानकारी दी कि इस वर्ष रामलीला मंचन एवं विजय महोत्सव मेला 22 सितंबर से 2 अक्टूबर 2025 तक आयोजित किया जाएगा। मेले में जहाँ एक ओर रामायण प्रसंगों का भव्य मंचन होगा, वहीं दूसरी ओर दर्शकों के

लिए स्वादिष्ट व्यंजन, बच्चों के मनोरंजन हेतु झूले, खेल और खिलौनों की दुकानें भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी।

भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्रह्मगिरी महाराज, सोविन्द्र भाटी, जयदेव शर्मा, मूलचंद प्रधान, सत्यपाल शर्मा, छत्रपाल शर्मा, कर्मवीर आर्य, विनोद पंडित, लक्ष्मण सिंघल, भगत सिंह आर्य, केपी कसाना, जगवीर भाटी, हिर्देश भाटी, विशाल गोयल, प्रेमवीर शर्मा, मानकचंद शर्मा, रघुवीर, बिजेन्द्र मुद्गल, रामअवतार गर्ग, चंदन शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट शोध कार्य करने वाली डॉ मोनिका सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। संकल्प संस्था ने दुजाना गाँव निवासी डॉ मोनिका अवाना धर्मपत्नी विकास नागर को उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए उनके आवास पर जाकर पगड़ी पहनाकर व मोमेंटो भेंट कर सम्मानित किया।

संकल्प संस्था के संस्थापक डॉ. भूपेन्द्र नागर ने बताया कि डॉ. मोनिका अवाना ने पूसा यूनिवर्सिटी से बायोटेक मे अपना रिसर्च वर्क पूर्ण किया है व डासना के IMS कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप मे कार्यरत है। उनके उत्क्रष्ट शोध कार्य के कारण उनको पोस्ट डॉक्टोरल फ़ेलोशिप भी विश्विद्यालय की तरफ से मिली है।

संस्था के संयोजक रोहित मत्ते गुर्जर व महासचिव अमित नागर ने कहा कि बेटियों की शादियों पर लाखों करोड़ों रुपये खर्च करने से अधिक बेहतर है कि उनको पढ़ा-लिखा कर आत्मनिर्भर व ससक्त बनाया जाए।

इस अवसर पर संस्था के संस्थापक डॉ. भूपेन्द्र नागर,संयोजक रोहित मत्ते गुर्जर,महासचिव अमित नागर,सचिव मनोज नागर,संयुक्त सचिव नवीन बैसोया,प्रवक्ता विवेक नागर,बबिता नागर,विकास नागर आदि लोगो की उपस्थिति रही।

एफएलएन प्रशिक्षण में शिक्षकों को दी जा रही है आधारभूत साक्षरता की बुनियादी शिक्षा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ब्लॉक बिसरख में 1 अगस्त 2025 से एफएलएन (Foundational Literacy and Numeracy) प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें अब तक 300 शिक्षक भाग ले चुके हैं तथा कुल 750 शिक्षकों को यह प्रशिक्षण प्रदान किया जाना है।

बीईओ बिसरख चंद्र भूषण के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण बीआरसी बिसरख पर आयोजित किया जा रहा है। इसके संचालन एवं प्रबंधन में पाँचों एआरपी ङ्क योगिता भास्कर, रूबी सिंह, अंजना दीक्षित, नीति सिंह एवं पारुल गुप्ता संदर्भकर्ता की अहम भूमिका निभा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र की शुरुआत पहले दिन तिलक समारोह से होती है और समापन दिवस पर मुख्य अतिथि द्वारा प्रतिभागी शिक्षकों को प्रमाणपत्र प्रदान किए जाते हैं।

एफएलएन प्रशिक्षण का उद्देश्य बच्चों में पढ़ने, लिखने और गणित की बुनियादी समझ को मजबूत करना है। यह न केवल उनकी पढ़ाई में सफलता और आगे की सीखने की

क्षमता को बढ़ाता है, बल्कि तार्किक सोच और भविष्य के रोजगार के अवसरों के लिए भी जरूरी है।

शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि जब बच्चों को ये आधारभूत कौशल अच्छी तरह से मिल जाते हैं, तो उनका मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक विकास अधिक सुदृढ़ होता है। साथ ही यह प्रशिक्षण शिक्षा के सार्वभौमिकरण, समाज में समान अवसर और देश के सामाजिक व आर्थिक विकास को नई दिशा देने में मददगार साबित होगा। एफएलएन प्रशिक्षण से शिक्षक होंगे अधिक सक्षम, और बच्चे पाएंगे गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ।

राधा अष्टमी का हुआ आयोजन, भाकियू अध्यक्ष समेत कई लोग हुए सम्मानित

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के बिरोंडी गांव में राधा अष्टमी पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाकियू के जिलाध्यक्ष सहित अन्य लोगों को सम्मानित किया गया

आयोजित कार्यक्रम में कर्मवीर मावी ने भाकियू जिलाध्यक्ष अशोक भाटी, सुभाष चौधरी अन्य अतिथियों को पुष्प गुच्छ देकर तथा पटका पहना कर स्वागत किया। बीते 13 अगस्त को जिला कलेक्ट्रेट पर ट्रैक्टर तिरंगा यात्रा के सफल आयोजन पर भाकियू पदाधिकारी को सम्मानित किया गया।

दादरी जिलाध्यक्ष मनोज मावी ने ग्राम वासियों की तरफ से सभी का आभार व्यक्त कर भाकियू संगठन को और मजबूत करने का आह्वान किया।

जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने कहा कि राधा अष्टमी का विशेष महत्व होता है। इस दिन विवाहित महिलाएं संतान सुख, शांति और अखंड सौभाग्य की प्राप्ति के लिए व्रत रखती हैं। उन्होंने कहा जो माताएं बहने राधा रानी का पूजन और व्रत करती हैं उनसे भगवान श्री कृष्ण अपने आप प्रसन्न हो जाते हैं। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी ने

पंजाब मे आई बाढ़ आपदा के लिए किसानों से हर संभव मदद करने को कहा।

इस अवसर पर सुन्दर बाबा, विपिन प्रधान, पार्थ गुर्जर, अजय गुर्जर, अरुण गुर्जर, अरविन्द गुर्जर, सचिन अवाना, जगत अवाना, भूपेंद्र मावी, लाला शर्मा, दिनेश अधाना, जयपाल मावी, मोनू मावी, पप्पू मावी, रामरतन भाटी, नवीन कसाना, अनित भाटी, सुबेराम कश्यप,चन्दरपाल पधान, मनवीर पधान,यादराम नेताजी, विनोद अधाना, नवीन कसाना, रिंकू सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

दैनिक चेतना मंच
भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।
डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99
RNI No. 69950/98
स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।
संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी
Contact:
0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340
E-mail:
chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

प्रयागराज के सर्राफ ने हड़पा 31.40 लाख का सोना

एसएसपी के आदेश पर दर्ज हुआ मुकदमा

मेरठ

शहर का एक सर्राफ अब प्रयोगराज के सर्राफ के द्वारा ठगी का शिकार हो गया है। प्रयागराज के सर्राफ की मांग पर शहर के सरार्प ने 31.40 लाख रुपये के जेवरात भेजे, लेकिन उसका पेमेंट नहीं दिया। न ही जेवरात वापस लौटाए हैं। इस पर शहर के सर्राफ ने एसएसपी के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया है।

सदर बाजार थाने पर एसएसपी के आदेश पर सर्राफ अजय कुमार निवासी अग्रवाल कॉम्प्लेक्स, कलालखाना ने मुकदमा दर्ज कराया है। अजय कुमार की पन्नालाल ज्वेलर्स के नाम से जेवरात बनाने की फर्म हैं। वे कारीगरों से जेवरात तैयार कराके दुकानदारों को सप्लाई करते हैं। सर्राफ अजय कुमार ने दर्ज मुकदमे में बताया कि उसका प्रयागराज स्थित खाटू श्याम ज्वेलरी के मालिक अनूप गुप्ता उर्फ अजय पुत्र दिनेश गुप्ता के साथ लगभग दो साल से जेवरात का काम चल रहा था। अजय कुमार ने अनूप गुप्ता को पार्सल के द्वारा 397.820 ग्राम सोने के जेवरात का एक कोरियर 24 दिसंबर 2024 को भेजा था, जो अप्रूवल द्वारा दिया गया था। अजय कुमार ने बताया कि अनूप गुप्ता ने वादा किया था कि जो सामान बिक जाएगा उसका हिसाब कर दूंगा। साथ ही, जो सोना बच जाएगा उसको वापस भिजवा दूंगा। इस पर अजय कुमार ने अनूप गुप्ता उर्फ अजय का विश्वास करके उसको सोने का सामान दे दिया था। आरोप है कि अनूप गुप्ता उर्फ अजय ने 24 दिसंबर 2024 के बाद से कोई लेन-देन नहीं किया। ना ही पीड़ित अजय कुमार के जेवरात वापस भेजे। जब अजय कुमार ने फोन करके जेवरात वापस भेजने तथा पेमेंट देने को कहा तो अनूप गुप्ता ने बहानेबाजी कर दी। इसके बाद अजय कुमार प्रयागराज गया तो अनूप गुप्ता को बहाने व टाल-मटोल करते हुए शीघ्र सामान और पेमेंट देने का वादा किया। अजय कुमार ने कुछ समय बीत जाने के बाद जब अनूप गुप्ता को फोन किया तो उसने सामान और पेमेंट देने से मना कर दिया। अजय कुमार ने एसएसपी से पियोरिटी 18 कैरेट के 397.820 ग्राम सोने के जेवरात जिसकी कीमत 31.40 लाख रुपये बनती है, को वापस दिलाने की मांग की है।

मॉर्निंग वॉक पर जाते ही चोर ने घर से उड़ाए 25 हजार

मेरठ (जनवाणी): सिविल लाइन थाना क्षेत्र के शिवपुरी स्थित आवास से एक व्यक्ति के मॉर्निंग वॉक पर सर्किट हाउस जाने के बाद चोर ने घर में घुसकर ऑलमारी का लॉक तोड़कर 25 हजार रुपये की नकदी चोरी कर ली। आवाज सुनकर जब महिला ने शोर मचाया तो चोर फरार हो गया। पीड़ित थाने पर मुकदमा दर्ज कराया है। ईव्ज चौराहा के समीप शिवपुरी में राजेश रस्तोगी का परिवार रहता है। सिविल लाइन थाने पर रिपोर्ट दर्ज कराते हुए राजेश रस्तोगी ने बताया कि गत 27 अगस्त की सुबह 4:0 बजे वह सर्किट हाउस में मॉर्निंग वॉक पर गए थे। घर पर उनकी पत्नी सो हुई थी। राजेश रस्तोगी के मॉर्निंग वॉक पर जाते ही एक चोर घर में घुस गया। इसके बाद वह कमरे में रखी आलमारी तक पहुंच गया। आलमारी का लॉकर्स तोड़कर चोर ने नगदी पर हाथ साफ कर दिया। आलमारी में तोड़फोड़ की आवाज सुनकर महिला की आंखें खुल गई। इस पर उसने शोर मचा दिया जिस पर चोर भाग खड़ा हुआ। राजेश रस्तोगी ने बताया कि चोर आलमारी से 25 हजार रुपये की नगदी चोरी कर ले गया है।

महिला को फर्जी कागजात और प्लाट दिखाकर 16 लाख रुपये ठगे

मेरठ

प्रॉपर्टी डीलर ने अपने तीन साथियों और फाइनेंस कंपनी से सांठगांठ कर प्लॉट बेचने के नाम पर एक गरीब महिला से 16 लाख रुपये ठग लिए। ठगी का पता उस समय चला जब महिला प्लाट की नींव भराने के लिए पहुंचें। जहां पर हथियारबंद बदमाशों ने उसको नींव भरने से रोक दिया।

सिविल लाइन थाने पर काजी हाउस सूरजकुंड निवासी राजकुमारी ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। राजकुमारी ने बताया कि उसने प्रॉपर्टी डीलर आकाशदीप पुत्र धनसिंह गुर्जर निवासी ग्राम शेरगढी, से एक प्लाट खरीदने के लिए संपर्क किया था। आकाशदीप के ऑफिस पर ही फरीद निवासी किठौर भी बैठता है। इन दोनों ने उसे शेरगढ़ी में एक प्लॉट और उसके कागजात भी दिखाए। साथ ही, प्लाट मालिक शाहिद अली पुत्र एजाज अली निवासी वजीराबाद, दिल्ली व मौहम्मद यासीन सैफी पुत्र मौहम्मद शाकिर सैफी, निवासी न्यू जाफराबाद दिल्ली को बताया। इसके बाद आकाशदीप व फरीद पर विश्वास कर 80 वर्गगज खसरा नंबर-2693/1 स्थित शेरगढ़ी में एक जनवरी 2022 को 16 लाख रुपये में पंजीकृत बैनामा द्वारा खरीद लिया। इस प्लाट को खरीदने के लिए उसने करीब 11 लाख रुपए का लोन लिया था। लोन देने वाली कंपनी ने लोन देने से पहले कागजातों की जांच की थी, लेकिन अब पता चला कि फुलटन इंडिया फाइनेंस कम्पनी के कर्मचारी भी आरोपियों से मिले हुए हैं। कंपनी ने मिलीभग से गलत ढंग से उसको लोन में फंसाया है। पीड़िता ने बताया कि ठगी का पता उस समय चला जब वह प्लाट पर नींव भरने के लिए पहुंचीं। जिस पर वहां सोनू सराय काजी ने अपने हथियारबंद साथियों के साथ आकर प्लाट से शाहिद अली व मौहम्मद यासीन सैफी का कोई लेना देना नहीं होने का दावा किया। प्रॉपर्टी डीलर आकाशदीप व फरीद को जब ठगी के बारे में बताया तो वे टालमटोल करने लगे। शाहिद अली व मौहम्मद शाकिर सैफी ने बात करने पर जल्द रुपये वापस लौटाने का आश्वासन दिया। साथ ही, कहा कि कानूनी कार्रवाई मत करना हमल चारों रुपये वापस लौटा देंगे, लेकिन कुछ दिन बाद रुपये मांगने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। आरोप है कि पुलिस ने आरोपियों को थाने बुलाकर छोड़ दिया।

एसएसपी के आदेश पर प्रॉपर्टी डीलर समेत चार पर मुकदमा दर्ज

फुलटन इंडिया फाइनेंस कंपनी की मिलीभगत भी आई सामने

सावधान! सड़कों पर दौड़ रहे मौत के जुगाड़ वाहन

मेरठ

अगर आप वाहन चला रहे है तो सड़क पर सामने से आने वाले सामान से लदे फर्राटा भरने वाले जुगाड़ वाहन से सावधान हो जाए। अगर इसने आप को टक्कर मार दी तो क्लेम मिलना तो दूर की बात है। पुलिस जुगाड़ वाहन चालक के खिलाफ रिपोर्ट तक दर्ज नहीं करेगी। चूंकि इनके पास लाइसेंस, आरटीओ का पंजीकरण, बीमा, साइलेंसर नहीं है। प्रदूषण का प्रमाण भी नहीं। सड़क पर न तो कोई इन्हें रोकता है और न ही चेक करता है। सिस्टम पर भारी जुगाड़ वाहन शहर में फर्राटा भर नियम कानून की धज्जियां उड़ाते हैं।

शहर में घंटाघर, दिल्ली रोड ईदगाह चौराहा, बेगमपुल, बच्चा पार्क हापुड़ अड्डे आदि सड़क पर आपको जुगाड़ से बनाए गए वाहन सड़कों पर बिना किसी फिटनेस के दौड़ रहे है। समय पर इनके ब्रेक भी सही तरीके से लग जाएंगे इसका कोई भरोसा नहीं हैं। सड़क पर सरिया या दूसरा ऐसा ही सामान लेकर दौड़ते ये वाहन कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। वातावरण में जहर घोल रहे इन जुगाड़ वाहनों में 15 से 20 साल पुराने खटारा स्कूटरों, मोटर साइकिलों के इंजन लगाए जाते हैं। यह भी पता नहीं कि इन जुगाड़ में कौन-सी बाइक या स्कूटर का इंजन लगा है। न ही जुगाड़ वाहन चलाने वाले चालक के पास कोई लाइसेंस रहता है। जुगाड़ वाहन पर ट्रांसपोर्ट का सामान इतना अधिक लाद दिया जाता है कि ठेला उसका वजन लेकर चल नहीं पाता है। अधिक वजन के कारण कभी-कभी सड़क पर ही वाहन का पहिया टूट जाता है। इस तरह की घटनाएं आएदिन होती हैं। हालाकि अभी तक कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ है।

पुलिस की आंखों के सामने चलता है मौत का खेल हाईस्पीड में फर्राटा भरते हैं जुगाड़ वाहन

ठेले में बाइक या स्कूटर का इंजन जोड़कर चलाना, चलाना नियम के खिलाफ है। परिवहन विभाग भी समय समय पर अभियान चलाकर चालान करती है।

-अनीता सिंह, आरटीओ, मेरठ।

दिनदहाड़े युवक का अपहरण कर तीन घंटे रखकर जमकर पीटा

मेरठ

सुभारती चौकी प्रभारी का एक नया कारनामा सामने आया है। एक होटल पर एक माह पहले गुम मोबाइल का पता चलने पर चौकी प्रभारी ने दबंगों से ही आरोपी युवक को गंगानगर से उठाकर लाने का फरमान जारी कर दिया। इसके बाद आधा दर्जन से अधिक दबंग युवक एक स्कॉर्पियो और एक वेगनआर में ग्रेटर गंगा पहुंचे और आरोपी युवक को स्कॉर्पियो में डालकर ले गए। इसके बाद उसको तीन घंटे स्कॉर्पियो में रखकर उसके साथ तमंचों की बट से मारपीट की। बाद में युवक को सुभारती चौकी ले गए। पीड़ित परिजनों द्वारा डायल 112 को सूचना देने के बाद युवक को चौकी से छोड़ा गया।

मारपीट में घायल।

बागपत कोतवाली के सिसाना रोड निवासी कमल एल्यूमीनियम सीलिंग का कार्य करता है। उसकी जान पहचान ग्राम मढ़ी के सूरज से है। एक माह पहले बागपत बाइपास स्थित वसीम के मैक्सवेल होटल कुछ युवकों का मोबाइल फोन रह गया था। ये मोबाइल सूरज को मिल गया था। सूरज ने मोबाइल कमल को दे दिया। मोबाइल वापस लेने के लिए आठ अगस्त को लवीश, जाकिर व गोलू ने सूरज से मारपीट की थी। जिस पर सूरज ने जानी थाने पर मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि शनिवार को कमल ने मोबाइल वापस लौटाने की एवज में 30 हजार रुपये मांगे। दबंग आरोपी युवकों ने मामले की जानकारी सुभारती चौकी प्रभारी वरुण उपाध्याय को दी। फिर, चौकी प्रभारी के कहने पर दबंग आरोपी युवक एक स्कॉर्पियो व एक वेगनआर कार में ग्रेटर गंगा पहुंचें। बताया कि उस समय कमल के साथ ज्योति नाम की एक महिला भी थी। मोबाइल उसने ज्योति को दे रखा था। आरोप है कि दबंगों ने कमल को स्कॉर्पियो में डाल लिया। इसके बाद उसको अनजान जगह ले गए। उसकी तमंचों की बट से पिटाई की। मामले की जानकारी परिजनों को हुई तो उन्होंने डायल 112 पर सूचना दी। मैसेज फ्लैस होने के बाद आरोपी कमल को सुभारती चौकी पर ले गए। चौकी पर परिजन पहुंचें। तब जाकर कमल को छोड़ा गया।

दूसरी ओर, कमल का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज में उसके अपहरण का सुबूत है। उसके साथ तमंचों की बट से मारपीट की गई है। गंगानगर थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि गुम मोबाइल फोन को वापस लौटाने के लिए कमल ने कॉल कर 30 हजार रुपये मांगे थे। सुभारती चौकी प्रभारी वरुण उपाध्याय के कहने पर युवक ग्रेटर गंगा से कमल को ले गए थे। युवक के अपहरण का कोई मामला नहीं है। दूसरी ओर, सुभारती चौकी प्रभारी वरुण उपाध्याय से जब मामले में उनका पक्ष जाना तो उन्होंने कॉल डिस्कनेक्ट कर दी।

युवक पर गुम मोबाइल वापस लौटाने की एवज में रुपये मांगने का आरोप

सुभारती चौकी प्रभारी के कहने पर ग्रेटर गंगा से कार में डालकर ले गए

हापुड़ अड्डा-गोलाकुआं चौराहा जाम से बेहाल

ट्रैफिक पुलिस की कार्यप्रणाली के खिलाफ बैठक करते हुए व्यापारी।

मेरठ

हापुड़ अड्डे के पास गोलाकुआं चौराहे पर जाम से राहत के लिए बनाई गई पुलिस की तमाम योजनाएं धरी की धरी रह गई हैं। रोजाना ई-रिक्शाओं और अव्यवस्थित ट्रैफिक के कारण यह क्षेत्र घंटों जाम की गिरफ्त में रहता है। राहगीर ही नहीं बल्कि व्यापारी भी इस बदहाल स्थिति से परेशान हैं। एसएसपी का निरीक्षण और एसपी ट्रैफिक की बनाई कार्ययोजना सिरे नहीं चढ़ पाई, नतीजा यह कि गोलाकुआं जाम से फिलहाल किसी तरह की राहत नहीं मिल रही।

रविवार रात को इस मुद्दे को लेकर संयुक्त व्यापार संघ (निर्वाचित) की बैठक गोलाकुआं पर आयोजित हुई। इसमें व्यापारियों ने आरोप लगाया कि ट्रैफिक पुलिस समस्या का समाधान करने की बजाय मनमानी पर उतर आई है। खासतौर से टीएसआई पर व्यापारी हितों की अनदेखी और दबंगई के आरोप लगाए गए। व्यापारियों ने चेतावनी दी कि अगर स्थिति नहीं सुधरी तो वे बड़ा आंदोलन करने पर मजबूर होंगे। सोमवार को व्यापारियों का प्रतिनिधिमंडल संयुक्त व्यापार संघ (निर्वाचित) के उपाध्यक्ष तरुण गुप्ता के नेतृत्व में एसएसपी और डीआईजी से मुलाकात करेगा और गोलाकुआं जाम व ट्रैफिक पुलिस की मनमानी की शिकायत करेगा। संयुक्त व्यापार संघ की एक बैठक आज महामंत्री संजय जैन के कार्यालय पर भी हुई। इसमें अध्यक्ष नवीन गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों के साथ गलत व्यवहार करने वाले ट्रैफिक इंस्पेक्टर विनय शाही को तत्काल सस्पेंड किया जाए और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही बाजार में ट्रैफिक व्यवस्था को दुरुस्त करने की ठोस रणनीति बनाई जाए। बैठक में अध्यक्ष नवीन गुप्ता, महामंत्री संजय जैन, उपाध्यक्ष संजीव रस्तोगी, मनीष शर्मा, तरुण गुप्ता, कोषाध्यक्ष विजय आनंद अग्रवाल, संगठन मंत्री आशु रस्तोगी, मंत्री सुनील वर्मा, अमित बंसल, अपार मेहरा, अनुज सिंगल, विकास गिरधर, राजवीर सिंह, सुधांशु पाराशर आदि मौजूद रहे।

आज डीआईजी व एसएसपी से मिलेंगे व्यापारी

एसएसपी का निरीक्षण और ट्रैफिक प्लान फेल व्यापारियों ने खोला मोर्चा

बोले, टीएसआई कर रहा मनमानी, इंस्पेक्टर को करें सस्पेंड

ट्रैफिक पुलिस कर रवैया नहीं बदला तो आंदोलन करेंगे

व्यापारियों ने साफ कहा कि जब तक गोलाकुआं बाजार में जाम की समस्या खत्म नहीं होती और ट्रैफिक पुलिस का रवैया नहीं बदलता, तब तक उनका आंदोलन जारी रहेगा।

बदहाल व्यवस्था पर एक नजर

- हर दिन घंटों जाम में फंसते राहगीर और व्यापारी।
- एसएसपी का निरीक्षण और एसपी ट्रैफिक की प्लानिंग बेअसर।
- टीएसआई पर मनमानी के आरोप, इंस्पेक्टर विनय शाही पर कार्रवाई की मांग।
- जाम खत्म न हुआ तो व्यापारी करेंगे बड़ा आंदोलन।

सेक्टर-8 नर्सरी के पास से चोरी की 16 बाइक बरामद

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 पुलिस ने दोपहिया वाहन चोरी करने वाले गिरोह के सरगना को गिरफ्तार किया है पुलिस ने सरगना के नाबालिक साथी को भी पुलिस संरक्षण में लिया है। इनके पास से अलग-अलग स्थानों से चोरी की गई 17 बाइक, स्कूटी व एक लोडर बरामद हुआ है। डीसीपी नोएडा यमुना प्रसाद ने बताया कि थाना फेस-1 प्रभारी अमित कुमार व उनकी टीम ने मुखबिर की सूचना के आधार पर सेक्टर-8 नर्सरी के पास से बुलंदशहर निवासी अनुज शर्मा व उसके बाल अपचारी साथी को हिरासत में लिया। इनकी निशानदेही पर सेक्टर-8 नर्सरी के पास से चोरी की 17 बाइक स्कूटी तथा एक लोडर बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि अनुज शर्मा अपने नाबालिक साथी की मदद से वाहनों की रेकी करवाता था। इसके बाद मौका पाकर वह चंद मिनटों में दोपहिया वाहनों को चोरी कर लेता था। चोरी करने के बाद वह इन वाहनों को सेक्टर-8 नर्सरी के पास छुपाकर खड़ा कर देता था। उन्होंने बताया कि बरामद बाइक विभिन्न थाना क्षेत्र से चोरी की गई हैं। पकड़े गए अनुज शर्मा पर पूर्व में दर्ज मुकदमे पंजीकृत हैं। इसके नाबालिक साथी को पुलिस संरक्षण में लिया गया है।

पीके कमरे में चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना फेस-1 क्षेत्र के सेक्टर-15 के एक पीमें रहने वाले दो युवकों के कमरे का ताला तोड़कर चोरों ने दो लैपटॉप, मोबाइल फोन व अन्य सामान चोरी कर लिया।

थाने में दर्ज कराई रिपोर्ट में हिमांशु रंजन ने बताया कि वह वर्तमान में सेक्टर-15ए ब्लॉक के एक पीमें रह रहा है। 26 अगस्त की सुबह किसी अज्ञात चोर ने उसके कमरे से ऑफिस का लैपटॉप, मोबाइल फोन, हैंडसेट, लैपटॉप, चार्जर, माउस, पर्स तथा उसके रूममेट का लैपटॉप च मोबाइल फोन चोरी कर लिया। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। पुलिस ने छानबीन के बाद अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

फ्लैट खरीदने वालों को नहीं मिली जानकारी

मेरठ

आवास एवं विकास परिषद की नई स्पेशल पंजीकरण योजना 3.0 में फ्लैट खरीदने का सपना देखने वाले लोगों की उम्मीदें टूट रही हैं। परिषद ने जानकारी के लिए जो टोल फ्री नंबर 1800-180-5333 और 0522-2236803 जारी किया है, वह महज दिखावा साबित हुआ। रविवार को जनवाणी में खबर पढ़ने के बाद कई लोगों ने कॉल की, लेकिन फोन ही नहीं उठाया गया। लोगों का कहना है कि परिषद ने रविवार को बंद होने का बहाना बना दिया, लेकिन नई योजना में छुट्टी नहीं होती है।

शास्त्रीनगर निवासी राजीव त्यागी कहते हैं कि सरकार बड़े-बड़े वादे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि फोन उठाने वाला भी कोई नहीं बैठा। जब इतनी छोटी सुविधा नहीं दे पा रहे तो घर देने का दावा कैसे करेंगे? इसी तरह जागृति विहार की नेहा शर्मा ने कहा कि हमने बार-बार कॉल किया, लेकिन फोन स्विच ऑफ मिला। परिषद को बताना चाहिए कि जनता को क्यों गुमराह किया जा रहा है, लेकिन लोगों का कहना है कि नई योजना शुरू होने पर हेल्पलाइन को सात दिन चालू रखना चाहिए। विजय नगर के अरविंद गौड़ का कहना है कि फ्लैट खरीदने की प्रक्रिया में हजारों लोग जुड़े हैं, ऐसे में रविवार की छुट्टी का बहाना देना लापरवाही है। लोग पूछ रहे हैं कि अगर योजना को लेकर इतनी गंभीरता है तो फिर टोल फ्री नंबर बंद क्यों रखा गया? जब जनता बार-बार फोन करके भी जानकारी नहीं पा रही तो फ्लैट खरीदने का सपना कैसे सच होगा?

परिषद की टोल फ्री लाइन फेल, घर खरीदने का सपना टूटा, बोले आवेदक

जब फोन ही नहीं उठता तो योजना पर भरोसा कैसे करें

परिषद की सफाई-रविवार को छुट्टी रहती है कार्यदिवस में कॉल करें

कार्यदिवस में फ्लैट के लिए मुझसे संपर्क करें: ईएमओ

परिषद के ईएमओ सुनील शर्मा ने कहा कि टोल फ्री नंबर पर सुबह 9 से शाम 6 बजे तक कर्मचारी तैनात रहते हैं। रविवार को अवकाश होने के कारण कॉल नहीं लग सकी। उन्होंने दावा किया कि कार्यदिवस में लोग जानकारी ले सकते हैं या सीधे उनके मोबाइल नंबर 6390900133 पर संपर्क कर सकते हैं।

पृष्ठ एक के शेष....

भारत-रूस कंधे से...

लिए एक अहम साझेदार है। चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग परिषद (एससीओ) के सदस्यों के सत्र को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह हमला मानवता में विश्वास रखने वाले हर देश और व्यक्ति के लिए एक खुली चुनौती थी। ऐसे में यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या कुछ देशों की ओर से आतंकवाद का खुला समर्थन हमें स्वीकार्य हो सकता है। हमें हर रूप और रंग के आतंकवाद का सर्वसम्मति से विरोध करना होगा। मानवता के प्रति यह हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि हमें स्पष्ट रूप से और सर्वसम्मति से कहना होगा कि आतंकवाद पर कोई भी दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं है।

उन्होंने कहा कि पिछले 24 वर्षों में शंघाई सहयोग संगठन ने एशिया क्षेत्र में सहयोग और आपसी जुड़ाव को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत ने एक सक्रिय सदस्य के रूप में हमेशा सकारात्मक भूमिका निभाई है। SCO को लेकर भारत की सोच और नीति तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है।

पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद, अलगाववाद और अतिवाद बड़ी चुनौतियां हैं। आतंकवाद पूरी मानवता के लिए साझा चुनौती है। कोई देश, कोई समाज अपने आप को इससे सुरक्षित नहीं समझ सकता, इसलिए आतंकवाद से लड़ाई में भारत ने एकजुटता पर बल दिया है।

घर से लापता ...

पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

वहीं थाना फेस-3 में गढी चौखंडी में रहने वाले इसहाक अली (काल्पनिक नाम) ने अपनी बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 23 अगस्त की रात्रि को उनकी बेटी घर से बिना बताए कहीं चली गई। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और किशोरियों की तलाश की जा रही है।

कार का शीशा...

लैपटॉप चार्जर व पर्स चोरी हो गया। बैग में उनका ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पैन कार्ड, डेबिट,क्रेडिट कार्ड, चेक बुक तथा 3500 रुपए रखे हुए थे।

पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाला जा रहा है।

विधायक पंकज सिंह ने...

उन्होंने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर भारत बनने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। आज भारत के युवा अपनी तकनीकी दक्षता और कौशल से विश्व स्तरीय रक्षा उपकरणों का निर्माण कर रहे हैं और अपनी प्रतिभा का लोहा पूरी दुनिया में मनवा रहे हैं।

विधायक पंकज सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश भी इस क्षेत्र में पीछे नहीं है और आज ब्रह्मोस से लेकर ड्रोन तक का निर्माण यहीं हो रहा है। इससे युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे और उनकी तकनीकी कुशलता को नए आयाम मिलेंगे।

उन्होंने नोएडा वासियों से स्वदेशी अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि अपने देश में बने उत्पादों का उपयोग ही भारत की वास्तविक शक्ति है और यही भारत को वैश्विक स्तर पर और मजबूत बनाएगा। कार्यक्रम में

जिला अध्यक्ष नोएडा महेश चौहान अमित त्यागी डिंपल आनंद, गणेश जाटव, महेश अवाना, ओमवीर अवाना सत्यनारायण महावर, भूपेश चौधरी अशोक मिश्रा, विजेंद्र मुंशी, रिंकू नंबरदार, सुनील भाटी,अजय यादव, बबलू यादव, मनोज चौहान, विपुल शर्मा, अमित नागपाल, रवि यादव,सुभाष, बलेश यादव, सुरेंद्र चौधरी, लोकेश यादव, लक्ष्मण प्रधान, रवि शर्मा, तेजपाल यादव, वीर सिंह, महेंद्र सिंह, विनोद शर्मा, एवं नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी सहित निवासी उपस्थित रहे।

विकलांगों के उपकरण...

और नुकसान का आंकलन करने में जुटी है। फायर बिग्रेड कि 6 गाड़ियों ने आग पर पाया काबू पा लिया है, यह आग सेक्टर 7 के ई-9 स्थित गुप्ता ऑर्थो एड कंपनी लगी थी। चीफ फायर ऑफिसर प्रदीप कुमार ने बताया कि फायर ब्रिगेड को आग लगने की सूचना सुबह 4.30 बजे मिली पहले एक गाड़ी मौके पर भेजी गई थी, बाद में आग की भयावता को देखते हुए चार गाड़ियां और भेजी गई और आग को फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियों ने भारी मशक्कत के बाद दो घंटे में आग पर काबू कर लिया गया। प्रारंभिक जांच के अनुसार आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी, जिस समय कंपनी में आग लगी, कोई मौजूद नहीं था इसलिए किसी के फंसे होने और हताहत होने की सूचना नहीं है।

उद्यमी की अश्लील फोटो...

कंपनी का लोन न चुकाने तथा पैसे वापस न किये जाने को लेकर ही उसकी महिला मित्र ने षड्यंत्र के तहत उसकी अश्लील वीडियो फोटो खींचकर उसे वायरल किया है। उसने जब इस बारे में अपनी महिला मित्र से बात की तो उसने उसे झूठा मुकदमे में फंसने तथा जान से मारने की धमकी दी।

पीड़ित का कहना है कि उसकी महिला मित्र उसे इन अश्लील फोटो व वीडियो के माध्यम से ब्लैकमेल भी कर सकती है। इस संबंध में पुलिस का कहना है कि पीड़ित व महिला दोनों एक दूसरे को पिछले कई वर्षों से जानते हैं। पुलिस रिपोर्ट दर्ज कर इस मामले की जांच कर रही है।

पुलिस को देख भागा...

दिल्ली में रह रहा है। वह थाना सेक्टर-39 के एक मुकदमे से वांछित चल रहा था और उस पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित था। डीसीपी ने बताया कि घायल समीर के पास से तमंचा, कारतूस, छीना गया मोबाइल फोन, चोरी की बाइक बरामद हुई है। पकड़े गए बदमाश पर हरियाणा में भी मुकदमे पंजीकृत हैं।

खता करें उद्यान विभाग...

गंदगी फैलती है। बरसात में ये गंदगी नालियों में चली जाती है जिससे सेक्टरों में जल भराव हो जाता है।

उनका आरोप है कि इस बाबत कई बार उद्यान विभाग से शिकायत भी की गई लेकिन उद्यान विभाग के शीर्ष अधिकारी कानों में तेल डाले बैठे हैं तथा इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। लोग गंदगी होने पर जनस्वास्थ्य विभाग से शिकायत करते हैं। ऐसे में उद्यान विभाग की लापरवाही का दंश जनस्वास्थ्य विभाग तथा जल विभाग को झेलना पड़ता है।

फेलिक्स ऑगर यूएस ओपन के चौथे दौर में

फेलिक्स ऑगर अलियासेम

जेवेरेव को 4-6, 7-6(7), 6-4, 6-4 से हराया

सिनर ने शापोवालोव को हराया, कोको और ओसाका आमने-सामने

● न्यूयॉर्क

कनाडा के स्टार टेनिस खिलाड़ी फेलिक्स ऑगर अलियासेम ने अपने करियर के एक बार फिर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए तीसरी वरीयता प्राप्त एलेक्जेंडर जेवेरेव को हराकर यूएस ओपन 2025 के चौथे दौर में जगह बना ली है।

लुई आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में 25 वर्षीय ने फेलिक्स ऑगर अलियासेम ने जेवेरेव को 4-6, 7-6(7), 6-4, 6-4 से हराने के लिए आक्रामक मास्टरक्लास का प्रदर्शन किया। उन्होंने 23 फ़ोरहैंड सहित 50 विनर्स के साथ जीत दर्ज की। वर्तमान में 27वें स्थान पर काबिज ऑगर-अलियासेम ने अब तक शीर्ष पांच प्रतिद्वंदी के खिलाफ अपनी पहली ग्रैंड स्लैम जीत दर्ज की है। वह अपने पिछले 11 प्रयासों में केवल दो बार किसी स्लैम के अंतिम 16 में पहुंचे हैं और क्वार्टर फाइनल में उनका सामना 15वीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रुबलेव से होगा । मैच के बाद अलियासेम ने कहा कि यह अच्छा लग रहा है। काम अभी पूरा नहीं हुआ है, लेकिन यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आज रात सब कुछ बहुत अच्छी तरह से हुआ। वहीं पूर्व चैंपियनों के बीच इससे पहले अमेरिकी ओपन में 2019 में मुकाबला हुआ था। ओसाका तब मौजूदा चैंपियन थी और उन्होंने 15 साल की गॉफ को सीधे सेटों में हरा दिया था। गॉफ इस हार के बाद अपने आंसू नहीं रोक पाई थी और ओसाका ने उन्हें सांत्वना दी थी। ओसाका ने कहा कि मैं उसे एक छोटी बहन की तरह मानती हूं, इसलिए यहां उसके साथ दोबारा खेलना अच्छा है। मौजूदा चैंपियन सिनर ने दुनिया के 27वें नंबर के डेनिस शापोवालोव को 5-7, 6-4, 6-3, 6-3 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश किया। सिनर ने मैच के बाद कहा, 'मैं कोई मशीन नहीं हूं और आप सब यह जानते हैं। मुझे भी कभी-कभी संघर्ष करना पड़ता है। मुझ पर भी दबाव होना स्वाभाविक है। आपको मैच के अनुसार सामंजस्य बिठाना पड़ता है। इटली के इस खिलाड़ी ने इस तरह से हार्डकोर्ट पर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के लिए उनका सामना अमेरिका के 14वें नंबर के टॉमी पॉल या कजाकिस्तान के 23वें नंबर के अलेक्जेंडर बुब्लिक से होगा। सिनर ने इस जीत से हार्डकोर्ट पर होने वाले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अपने अजेय अभियान को 24 मैचों तक बढ़ा दिया है। इसमें 2024 में अमेरिकी ओपन और 2024 और 2025 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के खिताब शामिल हैं। उन्होंने जुलाई में ग्रास कोर्ट पर विंबलडन में भी ट्रॉफी जीती थी। ओसाका और गॉफ अगले दौर के मुकाबले में आमने-सामने होंगी। पूर्व चैंपियनों के बीच इससे पहले अमेरिकी ओपन में 2019 में मुकाबला हुआ था। ओसाका तब मौजूदा चैंपियन थी और उन्होंने 15 साल की गॉफ को सीधे सेटों में हरा दिया था। गॉफ इस हार के बाद अपने आंसू नहीं रोक पाई थी।

एलेक्जेंडर जेवेरेव

रोहन बोपन्ना

युकी भांबरी यूएस ओपन के अगले दौर में, रोहन बोपन्ना हुए बाहर

● न्यूयॉर्क.

भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के माइकल वीनस की जोड़ी ने अमेरिका के मार्कोस गिरोन और लर्नर टिएन को हराकर यूएस ओपन पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बना ली है। वहीं अनुभवी रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार मोनाको के रोमेन अर्नेडो को पुरुष युगल के पहले दौर में हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गये है।

रात एक घंटे एक मिनट तक चले मुकाबले में भारत के युकी भांबरी और न्यूजीलैंड के माइकल वीनस की 14वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी ने अमेरिका के मार्कोस गिरोन और लर्नर टिएन की जोड़ी को 6-0, 6-3 से हराकर पुरुष युगल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। भारतीय टेनिस खिलाड़ी भांबरी और माइकल वीनस सोमवार को दूसरे दौर में कोलंबिया के गोंजालो एस्कोबार और मेक्सिको के मिगुएल एंजेल रेयेस-वरेला से भिड़ेंगे। इसी बीच रोहन बोपन्ना और उनके जोड़ीदार मोनाको के रोमेन अर्नेडो को रॉबर्ट कैश और जेम्स ट्रेसी की अमेरिकी जोड़ी ने 6-4, 6-3 से हराया। इसी हार के साथ बोपन्ना टूर्नामेंट से बाहर हो गये है। दूसरी ओर, अर्जुन काधे और उनके जोड़ीदार इक्वाडोर के डिएगो हिडाल्गो क्रोएशिया के मेट पाविक और अल सल्वाडोर के मार्सेलो एरेवालो से तीन सेटों में हारकर यूएस ओपन से बाहर हो गए।

अर्जुन काधे और डिएगो हिडाल्गो ने पहले सेट के 12वें गेम में ब्रेक प्वाइंट हासिल कर पहला सेट अपने नाम किया, लेकिन दूसरा सेट टाई-ब्रेक में हार गए। निर्णायक सेट के 10वें गेम में भारतीय-इक्वेडोर की जोड़ी की सर्विस एक बार फिर टूटी और उन्हें 5-7, 7(7)-6(4), 6-4 से हार का सामना करना पड़ा।

सार संक्षेप

हरारे एकदिवसीय में धीमी ओवर गति के लिए श्रीलंका पर जुर्माना

दुबई : हरारे में हुए पहले एकदिवसीय में धीमी ओवर गति के लिए श्रीलंका पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। यह जुर्माना मेहमान टीम पर आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के अनुसार, निर्धारित समय सीमा से एक ओर कम फेंकने पर एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के जेफ क्रो द्वारा लगाया गया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 न्यूनतम ओवर गति के अपराधों से संबंधित है, खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। श्रीलंका के कप्तान चरित असलांका ने अपराध और प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार कर लिया। इसलिए इस पर औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी।

राजस्थान को हराकर केरल फाइनल में

नारायणपुर, (छत्तीसगढ़) : सब जूनियर गर्ल्स नेशनल फुटबॉल चैंपियनशिप 2025-26 के टायर-2 के दूसरे सेमीफाइनल में केरल की टीम ने राजस्थान को हराकर फाइनल में जगह बना ली। यहां रामकृष्ण मिशन आश्रम नारायणपुर के फुटबॉल ग्राउंड में खेले गए मुकाबले में केरल ने राजस्थान को 8-2 से हराया। ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन एवं रामकृष्ण मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 16 अगस्त से शुरू हुई इस प्रतियोगिता में देशभर से 14 टीमों ने हिस्सा लिया है। सुबह आठ बजे खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में केरल ने शानदार प्रदर्शन किया। केरल की अर्पिता ने तीन गोल दागकर हैट्रिक बनाई। मैच जीत के बाद टीम के कोच डॉ. जेम शॉट ने कहा कि खिलाड़ियों ने शानदार खेल दिखाया और आयोजन स्थल की व्यवस्थाएं सराहनीय हैं। इस महिला फुटबॉल चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला तीन सितंबर को केरल और यूपी के बीच खेला जाएगा।

टाई-ब्रेकर्स आपके धैर्य की परीक्षा लेते हैं और वही हम मैच जीते : सुनील

विशाखापट्टनम : प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 में यू मुम्बा के कप्तान सुनील कुमार ने टाई-ब्रेक प्रारुप की सराहना करते हुए कहा कि यह आपके धैर्य की परीक्षा लेते हैं, और वही हमें जीत तक ले गया। यू मुम्बा ने अपने अभियान की शुरुआत रोमांचक जीत के साथ की। गुजरात जायंट्स के खिलाफ मुकाबला 29-29 की बराबरी पर खत्म हुआ, जिसके बाद टाई-ब्रेकर में यू मुम्बा ने 6-5 से बाजी मारी। विश्वनाथ स्पोर्ट्स क्लब में हुआ यह मैच सीजन के शुरुआती तीन मुकाबलों में दूसरी बार नए टाई-ब्रेकर नियम तक पहुंचा, जिसने दर्शकों को आखिरी रेड तक रोमांचित रखा। कप्तान सुनील कुमार ने टाई-ब्रेकर प्रारुप की सराहना करते हुए इसे रोमांचक और स्वागत योग्य बदलाव बताया। सुनील ने मैच के बाद कहा कि टाई-ब्रेकर में सबसे जरूरी है शांत रहना।

नॉर्थ जोन और सेंट्रल जोन दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइनल में

बेंगलूरु : नॉर्थ जोन और सेंट्रल जोन ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए विशाल बढ़त के आधार पर रविवार को दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइलन में जगह बना ली। नॉर्थ जोन ने दो विकेट पर 388 रन से आगे खेलना शुरु किया। यहां सुबह कप्तान अंकित कुमार और आयुष बदोनी अपनी टीम को बड़े स्कोर की ओर ले गये। इसी दौरान 444 के स्कोर पर मुख्तार हुसैन ने दोहरे शतक की ओर बढ़ रहे अंकित कुमार को आउटकर पवेलियन भेज दिया। अंकित कुमार मात्र दो रन से अपना दोहरा शतक चूक गये। उन्होंने 321 गेंदों में 19 चौके और एक छक्का लगाते हुए 198 रनों की पारी खेली। इसके बाद चौथे विकेट के रूप में निशांत सिंधु (68) रन बनाकर आउट हुये। नॉर्थ जोन ने आयुष बदोनी का दोहरा शतक बनने के बाद 146.2 ओवर में चार विकेटपर 658 के स्कोर पर अपनी पारी घोषित कर दी। नॉर्थ जोन ने ईस्ट जोन के खिलाफ 833 रनों की विशाल बढ़त के आधार पर सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई कर लिया।

अंकित और रशीद साउथ जोन टीम में शामिल

बेंगलूरु : साउथ जोन ने चार सितंबर से शुरू हो रहे दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए पुडुचेरी के ऑलराउंडर अंकित शर्मा और आंध्रप्रदेश के शीर्ष क्रम बल्लेबाज शेख रशीद को कप्तान तिलक वर्मा और आर साई किशोर के विकल्प के तौर पर अपनी टीम में शामिल किया है। तिलक एशिया कप में चयनित होने के कारण दलीप ट्रॉफी के आगामी मैच में नहीं खेल पाएंगे। केरल के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद अजहरुद्दीन को उपकप्तान नियुक्त किया गया था इसलिए तिलक की अनुपस्थिति में वह टीम की अगुवाई करते नजर आएंगे। साई किशोर उंगली की चोट के चलते चेन्नई में बुची बाबू टूर्नामेंट भी नहीं खेल पाए थे। 34 वर्षीय अंकित ने 2024-25 के रणजी सत्र में सात मैचों में 28.85 की औसत से 24 विकेट लेकर पुडुचेरी के लिए दूसरे सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। वहीं रशीद ने आंध्रा के लिए 12 पारियों में 52.25 की औसत से सर्वाधिक 627 रन बनाए थे जिसमें एक दोहरा शतक भी शामिल था। रशीद और अंकित दोनों की साउथ जोन की टीम में स्टैंड बाय खिलाड़ियों में शामिल किए गए थे।

पाकिस्तान ने यूएई को 31 रनों से हराया

शारजाह, : सैम अयूब (69) और हसन नवाज (52) की अर्धशतकीय पारियों के बाद हसन अली (तीन विकेट) और मोहम्मद नवाज (दो विकेट) के शानदार प्रदर्शन की बदौलत पाकिस्तान ने त्रिकोणीय टी-20 श्रृंखला के दूसरे मैच में यूएई को 31 रनों से हरा दिया। 208 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी यूएई के लिए मोहम्मद जोहैब और कप्तान मुहम्मद वसीम की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 39 रन जोड़े। पांचवें ओवर में मोहम्मद नवाज ने मोहम्मद जोहैब (13) को आउटकर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 54 रन के स्कोर पर मुहम्मद वसीम 18 गेंदों में (33) रनआउट हुए। इसी ओवर की आखिरी गेंद पर हसन अली ने इथन डिसूजा (तीन) को अपना शिकार बना लिया। आलीशान शराफु (तीन), राहुल चोपड़ा (11), ध्रुव पराशर (15) और सगीर अली (11) रन बनाकर आउट हुए। आसिफ खान ने 35 गेंदों में छह चौके और छह छक्के लगाते हुए (77) रनों की पारी खेली। 20वें ओवर में उन्हें हसन अली ने आउट किया। पाकिस्तान की गेंदबाजी के आगे यूएई की टीम निर्धारित 20 ओवरों में आठ विकेट पर 176 रन ही बना सकी और मुकाबला 31 रनों से हार गई। पाक की ओर से हसन अली ने तीन विकेट और नवाज ने दो विकेट लिए।

भारत ने 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का प्रस्ताव किया पेश

● नई दिल्ली, ब्यूरो

भारत ने लंदन स्थित राष्ट्रमंडल खेल (सीएस) को 2030 राष्ट्रमंडल खेलों (सीडब्ल्यूजी) की मेजबानी के लिए एक औपचारिक प्रस्ताव पेश किया। प्रस्ताव के अनुसार, ये खेल अक्टूबर में 12 दिनों की अवधि के लिए आयोजित किए जाएंगे।

गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी के नेतृत्व में भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने लंदन में 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी पेश की। गुजरात के खेल मंत्री हर्ष सांघवी के नेतृत्व में, भारतीय राष्ट्रमंडल खेल संघ और गुजरात सरकार के प्रतिनिधित्व वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने अहमदाबाद को खेलों के शताब्दी वर्ष के आयोजन के लिए मेजबान शहर घोषित किया। राष्ट्रमंडल खेल के अंतरिम अध्यक्ष डोनाल्ड रुकारे ने सीएस मुख्यालय में इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के कार्यकारी परिषद सदस्य और खेल समिति के सदस्य लेफ्टिनेंट जनरल हरपाल सिंह और आईओए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रघुराम अय्यर भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

आईओए ने एक बयान में कहा कि यह बोली भारत की वैश्विक खेल केंद्र के रूप में बढ़ती स्थिति को पुष्ट करती है। 2030 राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी, देश की एक अग्रणी खेल राष्ट्र बनने की दीर्घकालिक महत्वाकांक्षा के अनुरूप है, जहां बड़े आयोजन खेलों में व्यापक भागीदारी, बुनियादी ढांचे के विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के लिए उत्प्रेरक का काम करते हैं।

सात्विक-चिराग की जोड़ी ने जीता कांस्य

सात्विक-चिराग शेट्टी को बोयांग-लियू यी ने 19-21, 21-18,12-21 से हराया

● पेरिस,

भारतीय बैडमिंटन जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष युगल सेमीफाइनल में हारने के बाद कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

एक घंटे सात मिनट तक चले मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को चीन के चेन बोयांग और लियू यी ने 19-21, 21-18,12-21 से हराया। विश्व चैंपियनशिप में सात्विक-चिराग की जोड़ी का यह दूसरा कांस्य पदक है। इससे पहले सात्विक-चिराग ने टोक्यो में 2022 में हुई बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप में भी कांस्य पदक जीता था। भारतीय जोड़ी ने मैच की अच्छी शुरुआत की और 4-0 की बढ़त बना ली। मिड-गेम ब्रेक तक 11-5 की बढ़त बनाए रखी। लेकिन इसके बाद चीनी जोड़ी ने वापसी की और 14-13 की बढ़त हासिल कर ली और इस बढ़त को बरकरार रखते हुए पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने 5-1 की बढ़त हासिल की, लेकिन चीनी जोड़ी ने इसे 11-9 कर दिया। लेकिन एक बार फिर सात्विक और चिराग ने अपनी पकड़ को मजबूत किया और 16-11 से बढ़त बना ली। इसके बाद चेन बोयांग और लियू यी ने वापसी करते हुए स्कोर बराबर कर दिया, लेकिन 32 शॉट की रोमांचक रैली ने सात्विक-चिराग को गेम प्वाइंट दिलाया और मैच को निर्णायक तक पहुंचाया।

निर्णायक मुकाबले में, चेन बोयांग और लियू यी ने वापसी करते हुए 9-0 की बड़ी बढ़त बना ली और भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों को हराकर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। इसी के साथ टूर्नामेंट में भारत का अभियान समाप्त हो गया।

भारतीय हॉकी टीम की लगातार दूसरी जीत

एशिया कप 2025 : जापान को 3-2 से हराकर सेमीफाइनल में जगह की पक्की

● राजगीर (बिहार),

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने रविवार को एशिया कप 2025 के ग्रुप ए के दूसरे मैच में जापान को 3-2 हरा दिया है। भारत की यह लगातार दूसरी जीत है और दो मैचों में छह अंकों के साथ वह पूल ए में शीर्ष पर है। इस जीत के साथ उसने टूर्नामेंट में सुपर 4 चरण में अपनी जगह पक्की कर ली है। यहां स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी हॉकी स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में पुरुष हॉकी रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज भारत के लिए मनदीप सिंह (चौथे मिनट में), हरमनप्रीत सिंह (5वें और 46वें मिनट में) ने गोल दागे।

वहीं, 18वें स्थान पर मौजूद जापान के लिए कावाबे कोसेई ने दो गोल (38वें और 59वें मिनट) किए। भारत ने मैच की शानदार शुरुआत की और अपना दबदबा बनाए। पहले क्वार्टर में भारत ने दो गोल दागे। मैच के चौथे मिनट में मनदीप सिंह ने मैदानी गोल के साथ टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद मेजबान टीम ने लगातार पेनल्टी कॉर्नर अपने नाम किए। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने मौके को भुनाते हुए ड्रैगफ्लिक के साथ पीसी को गोल में तब्दील किया और भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। वहीं, जापान ने भी पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हुए। दूसरा क्वार्टर गोल रहित रहा। दोनो टीमों ने गोल करने के मौके बनाए, लेकिन गोल करने में सफल नहीं हो सके। जापान ने लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए थे। पहले हाफ की समाप्ति तक भारत ने अपनी 2-0 की बढ़त को कायम रखा। तीसरे क्वार्टर में जापान ने गोल के साथ मैच में वापसी की। जापान के लिए कावाबे कोसेई ने 38वें मिनट पर फील्ड गोल दागकर स्कोर 2-1 कर दिया। इस क्वार्टर में भारत ने अटैक करना जारी रखा और आखिरी मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। जिसे हरमनप्रीत सिंह ने अपने शानदार ड्रैगफ्लिक से गोल में तब्दील कर दिया। चौथे क्वार्टर में भारत ने अपनी रक्षापंक्ति को मजबूत बनाए रखा। जापान ने लगातार मौके बनाए और मैच खत्म होने से पहले कावाबे ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। लेकिन मैच जीतने में कामयाब नहीं हो सके। भारतीय हॉकी टीम अपना अगला मुकाबला कजाकिस्तान के खिलाफ सितंबर को खेलेगी।

हॉकी इंडिया ने पाठक को 150 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर दी बधाई

राजगीर, : हॉकी इंडिया ने रविवार को भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर कृष्ण बी पाठक को 150 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने पर बधाई दी। पंजाब के कपूरथला के रहने वाले 28 वर्षीय कृष्ण बी पाठक ने राजगीर हॉकी स्टेडियम में चल रहे हीरो पुरुष एशिया कप राजगीर बिहार 2025 के भारत के दूसरे मैच में जापान के खिलाफ यह उपलब्धि हासिल की। अपनी चपलता और निरंतरता के लिए मशहूर पाठक लखनऊ में 2016 में हुए एफआईएच जूनियर विश्व कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का हिस्सा बनकर पहली बार सुर्खियों में आए। उन्होंने जनवरी 2018 में चार देशों के टूर्नामेंट में जापान के खिलाफ सीनियर टीम में पदार्पण किया। तब से, वह भारत की कई सबसे प्रसिद्ध जीतों का हिस्सा रहे हैं, जिनमें 2018 (संयुक्त स्वर्ण), हांग्जो में 2022 एशियाई खेलों का स्वर्ण और 2023 और 2024 में लगातार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब शामिल हैं।

हमारे अच्छे कर्मों से

खुश होते हैं भगवान

भगवान माला और माल से राजी नहीं होते, बल्कि हमारे कर्मों से प्रसन्न होते हैं। गीता निष्काम कर्मों के द्वारा मोक्ष प्राप्ति का मार्ग बताती है। श्रेष्ठ कर्मों को ही सच्ची भक्ति समझो। इसीलिए अपने कर्मों को ही पूजा बना लो। जिस प्रकार कमल के पत्ते पानी में रहते हुए भी जल को अपने ऊपर नहीं आने देते। ऐसे ही निष्काम कर्मयोगी संसार में रहते हुए भी कर्मों के बंधन तथा मोह में आसक्त नहीं होते है। गीता संसार को कर्मशील व पुरुषार्थी होने का संदेश देती है। वह हमारे मन में स्वार्थ, लोभ, अहंकार से ऊपर उठकर निष्काम व परोपकार के कर्मों की भावना जागृत करती है। वह श्रेष्ठ कर्म करते हुए इहलोक तथा परलोक दोनों के लिए उन्नति करने के लिए प्रेरणा देती है। हे मनुष्यों, वर्तमान जीवन और जगत को कर्मों की सुगंध से भरते चलो। कर्त्तव्य व दायित्व को ईमानदारी व कुशलता से निभाओ। गीता कह रही है- योगः कर्मसु कौशलम् अर्थात जो भी कर्म करो, उसको पूर्णता, निपुणता, सुन्दरता और कुशलता से करो। जो इस तरह से जीवन को जीता है, गीता के अनुसार वह इस जीवन व जगत को सफल कर लेता है और उसका अगला जन्म भी सुधर जाता है।

तन के श्रृंगार में ही जो समय गंवा देते हैं वह इस नाशवान संसार में भटक कर रह जाते हैं लेकिन जो मन का श्रृंगार कर उसमें बैठे परमात्मा की आराधना करते है वह संसार की मलिनता से बच जाते हैं, वस्तुतः दुर्गुणों से ही जीवन में मलिनता आती है। इनसे बचने का एकमात्र उपाय वेद शास्त्र और पुराणों का मंथन करना तथा सज्जनों की संगति है। अतः हमें अपने कर्मों पर ध्यान देते हुए जीवन जीना चाहिए।

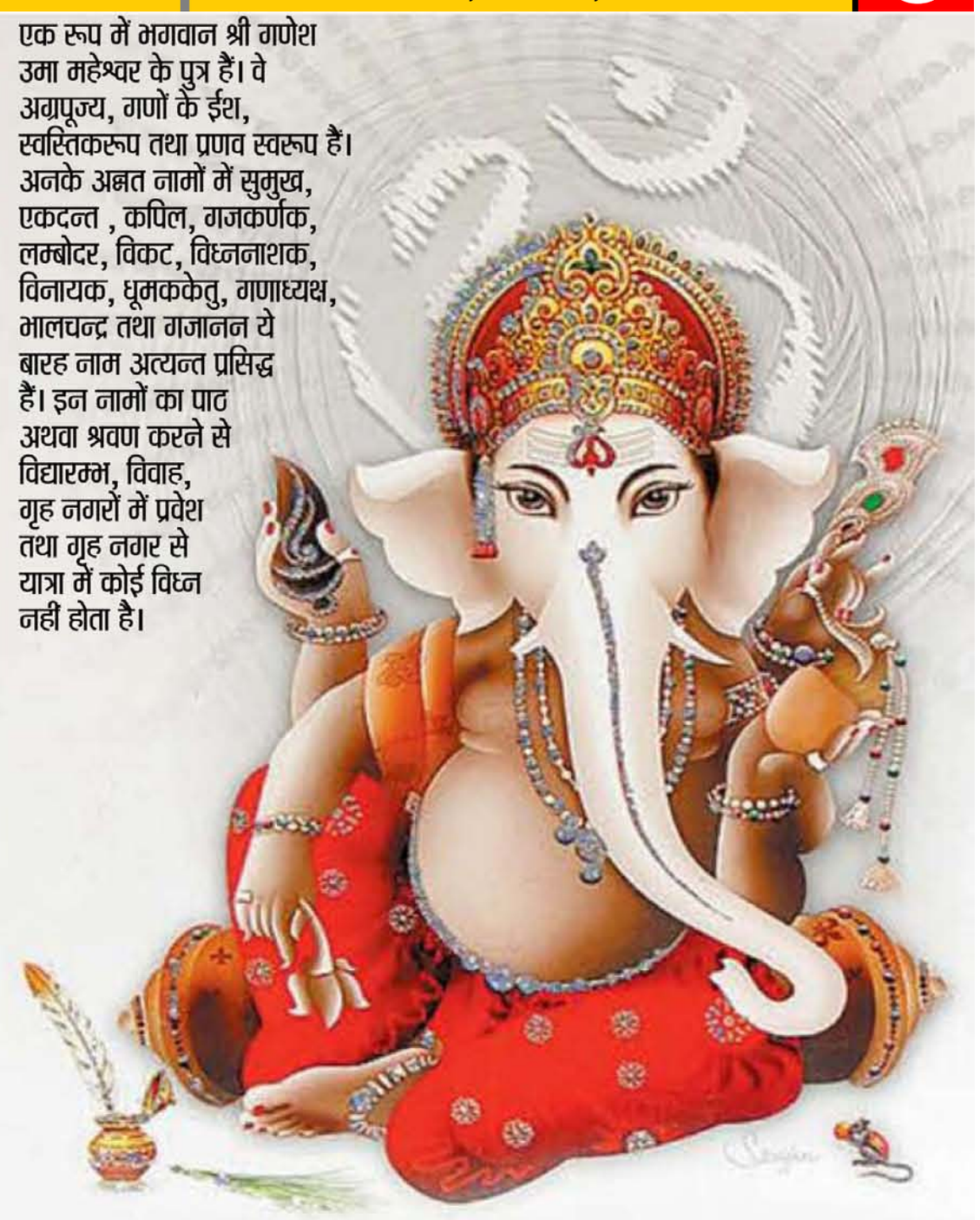

ऐसे पाइए रिद्धि सिद्धि के दाता गणपति का आशीर्वाद...

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विध्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विध्न नहीं होता है।

भगवान गणेश का स्वरूप अत्यन्त ही मनोहर एवं मंगलदायक है। वे एकदन्त और चतुर्बाह हैं। अपने चारों हाथों में वे क्रमश पाश, अंकुश, मोदक पात्र तथा वर मुद्रा धारण करते हैं। वे रक्तवर्ण, लम्बोदर, शूर्पकर्ण तथा पीत वस्त्र धारी हैं। वे रक्त चंदन धारण करते हैं तथा उन्हें रक्त वर्ण के पुष्प विशेष प्रिय हैं। वे अपने उपासकों पर शीघ्र प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं।

एक रूप में भगवान श्री गणेश उमा महेश्वर के पुत्र हैं। वे अग्रपूज्य, गणों के ईश, स्वस्तिकरूप तथा प्रणव स्वरूप हैं। अनके अन्नत नामों में सुमुख, एकदन्त , कपिल, गजकर्णक, लम्बोदर, विकट, विध्ननाशक, विनायक, धूमककेतु, गणाध्यक्ष, भालचन्द्र तथा गजानन ये बारह नाम अत्यन्त प्रसिद्ध हैं। इन नामों का पाठ अथवा श्रवण करने से विद्यारम्भ, विवाह, गृह नगरों में प्रवेश तथा गृह नगर से यात्रा में कोई विध्न नहीं होता है।

भगवान गणपति के अनेक अवतार हुए हैं। उनके सभी चरित्र अनन्त हैं। पदम पुराण के अनुसार एक बार पार्वती जी ने अपने शरीर के मैल से एक पुरूषाकृति बनाई जिसका मुख हाथी के समान था। फिर उस आकृति को उन्होंने गंगा जल में डाल दिया। गंगा जल में पड़ते ही वह आकृति विशालकाय हो गई। पार्वती जी ने उसे पुत्र कहकर पुकारा देव समुदाय ने उन्हें गंगये कहकर सम्मान दिया और ब्रहमाजी ने उन्हें गणों का अधिपत्य प्रदान करके गणेश नाम दिया।

लिंग पुराण के अनुसार एक बार देवताओं ने भगवान शिव की उपासना करके उनसे सुरद्रोही दानवों के दुष्कर्म में विध्न उपस्थित करने के लिए वर मांगा। आशुतोष शिव ने तथास्तु कहकर देवताओं को संतुष्ट कर दिया। समय आने पर गणेश जी का प्राकट्य हुआ। उनका मुख हाथी के समान था और उनके एक हाथ में त्रिशुल तथा दूसरे में पाश था। देवताओं ने सुमन वृष्टि करते हुए गजानन के चरणों में बारम्बार प्रणाम किया। भगवान शिव जी ने गणेश जी को दैत्यों के कार्यों में विध्न उपस्थित करके देवताओं और ब्रह्माणों का उपकार करने का आदेश दिया।

प्रजापति विश्वकर्मा की सिद्धि बुद्धि नामक दो कन्याएं गणेश जी की पत्नियां हैं। सिद्धि से क्षेम और बुद्धि से लाभ नामक शोभा सम्पन्न दो पुत्र हुए। शास्त्रों और पुराणों में सिंह मयूर और मूषक को गणेश जी का वाहन बताया गया है। गणेश पुराण के क्रिड़ा खण्ड में उल्लेख है कि कृतयुग में गणेश जी का वाहन सिंह है। वे दस भुजाओं वाले, तेज स्वरूप तथा सब को वर देने वाले हैं और उनका नाम विनायक है। त्रेता में उनका वाहन मयूर है, वर्ण श्वेत है तथा तीनों लोकों में वे मयूरेश्वर नाम से विख्यात हैं और छ भुजाओं वाले हैं। द्वापर में उनका वर्ण लाल है। वे चार भुजाओं वाले और मूषक वाहन वाले हैं तथा गजानन नाम से प्रसिद्ध हैं। कलयुग में उनका धूम्रवर्ण है। वे घोड़े पर आरूड़ रहते हैं। उनके दो हाथ हैं तथा उनका नाम धूम्रकेतू है। मोदक प्रिय गणेश जी विद्या बुद्धि और समस्त सिद्धियों के दाता तथा थोड़ी उपासना से प्रसन्न हो जाते हैं। उनके जप का मंत्र ओम गं गणपतेय नमः है।

मनुष्य पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

पूजा पाठ के अंत में हवन करने का क्या कारण है?

सृष्टि के सभी तत्व पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु व आकाश के विभिन्न संयोजनों से बने हैं। जगत का ही एक अंश होने के कारण मनुष्य भी इन्हीं पांच तत्त्वों से बना है। इन तत्त्वों में से अग्नि विशेष है। जहां एक ओर अन्य सभी तत्त्व प्रदूषित हो सकते है, वहीं अग्नि को दूषित नहीं किया जा सकता।

हमारे ऋषि अग्नि की इस विशेषता से भली भांति परिचित थे और इसीलिए हवन और दूसरे सभी वैदिक कर्मों में अग्नि का विशेष महत्त्व होता है। हवन मात्र एक कर्मकांड नहीं बल्कि एक योगी के लिए उन दिव्य शक्तियों से वार्तालाप का माध्यम है जो इस सृष्टि को चलाती हैं। तो क्या इसका अर्थ यह हुआ कि वे तत्त्व शुद्ध नहीं हैं जिनसे मनुष्य बना है। जिस प्रकार इस संसार में पृथ्वी, जल, वायु व आकाश प्रदूषित हो जाते हैं, उसी प्रकार से मानव शरीर में भी इन तत्त्वों का प्रदूषित होना संभव है। यह प्रदूषण मनुष्य को पतन अथवा विकृति की ओर धकेलता है। मनुष्य में इन तत्त्वों के प्रदूषण का पता लगाना अति सरल है। पृथ्वी तत्त्व के दूषित होने से व्यक्ति को समाज में प्रतिष्ठित पद और भव्य जीवन शैली जैसी सुविधाएं पाने की इच्छाएं बेलगाम होने लगती हैं।

जब जल तत्त्व दूषित होता है तो अप्राकृतिक काम इच्छा जागृत होने लगती है। वैदिक शास्त्र अपनी स्वाभाविक इच्छाओं का दमन करने के लिए नहीं कहता। अग्नि तत्त्व को दूषित नहीं किया जा सकता। योग और सनातन क्रिया की साधना से साधक अग्नि तत्त्व के अनुकूल स्तर बनाए रख सकता है। वायु तत्त्व यह निश्चित करता है कि हृदय व फ़ेफड़े ठीक से कार्य करें। इस तरह रक्त संचार प्रणाली और श्वास प्रणाली भी सही काम करती रहती है। अंत में दूषित आकाश तत्त्व के कारण थायरायड व पैराथायरायड ग्रंथियों के रोग और श्रवण शक्ति का क्षीण होना पाया जाता है। मात्र एक हवन में ही यह क्षमता होती है कि मनुष्य के सभी दोष समाप्त हो सकें।

कैसे हनुमान जी आपका लॉकर सदा धन से भरा रखेंगे

जीवन की समस्त अवश्यकताओं की पूर्ति के लिए धन की आवश्यकता होती है। कुछ लोग कम मेहनत करने पर भी अधिक धन संचित कर लेते हैं तो कुछ लोगों को कड़ी मेहनत के उपरांत भी उनकी मेहनत के अनुरूप धन नहीं मिल पाता। कई लोग ऐसे होते हैं जो कमाई तो अच्छी कर लेते हैं, लेकिन आगे के लिए कुछ बचा नहीं पाते। अगर धन का अगमान ठीक भी हो तो बढ़े हुए खर्च के कारण धन संबंधी परेशानी बनी रहती है। आप जब भी बैंक जाएं तो मन ही मन महालक्ष्मी के मंत्रों का जाप करें। ऐसा करने से बैंक में जमा पैसे पर महालक्ष्मी की कृपा बनी रहेगी और उस पैसे में निरंतर बढ़ौतरी होती रहेगी।

ऊँ महालक्ष्म्यै नमः, ऊँ ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

ऊँ श्रीं ह्रीं क्लीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः

निम्न पंक्तियों का प्रतिदिन जाप करने से हनुमान जी के साथ साथ यम, कुबेर एवं अन्य देवी-देवताओं की भी कृपा प्राप्त होगी। कुबेर देव की अनुकम्पा से आपका लॉकर कभी खाली नहीं होगा और सदा धन से भरा रहेगा।

जम कुबेर दिगपाल जहां ते। कवि कोबिद कहि सके कहां ते।।

मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होने पर कुबेर जी अपना खजाना उनके भक्तों के लिए खोल देते हैं इसलिए मां लक्ष्मी के साथ साथ कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप घर में स्थापित करें। वास्तु शास्त्र के मतानुसार मां लक्ष्मी और कुबेर जी का चित्र अथवा श्री रूप उत्तर दिशा की ओर स्थापित करें। इससे उत्तर दिशा सक्रिय होगी एवं धन आगमन में आने वाली समस्त बाधाओं का नाश होगा।

इन महाविद्याओं से सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है

शिवपुराण के मतानुसार भगवान शिव शंकर के दस अवतारों में आदशक्ति मां दुर्गा समस्त अवतारों में उनके साथ अवतरित हुई थी। दस महाविद्यायों के नाम से जानी जानें वाली महामाया मां जगत् जननी दुर्गा के ये दस रूप तांत्रिकों एवं उपासकों की आराधना का अभिन्न अंग हैं। इन महाविद्याओं के माध्यम से उपासक को बहुत सी सिद्धियों एवं मनोवांछित फलों की प्राप्ति होती है। मां दुर्गा एवं भगवान शिव शंकर के दस अवतार इस प्रकार हैं-

- भगवान शिव शंकर के महाकाल अवतार के समय देवी महाकाली के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के तारकेश्वर अवतार के समय देवी तारा के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भुवनेश अवतार के समय देवी भुवनेश्वरी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के षोडश अवतार के समय देवी षोडशी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के भैरव अवतार के समय देवी जगदम्बा भैरवी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के छिन्नमस्तक अवतार के समय देवी छिन्नमस्ता के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के ध्रूमवान अवतार के समय धूमावती के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के बगलामुखी अवतार के समय देवी जगदम्बा बगलामुखी रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के मातंग अवतार के समय देवी मातंगी के रूप में उनके साथ अवतरित हुई।
- भगवान शिव शंकर के कमल अवतार के समय कमला के रूप में देवी उनके साथ अवतरित हुई।

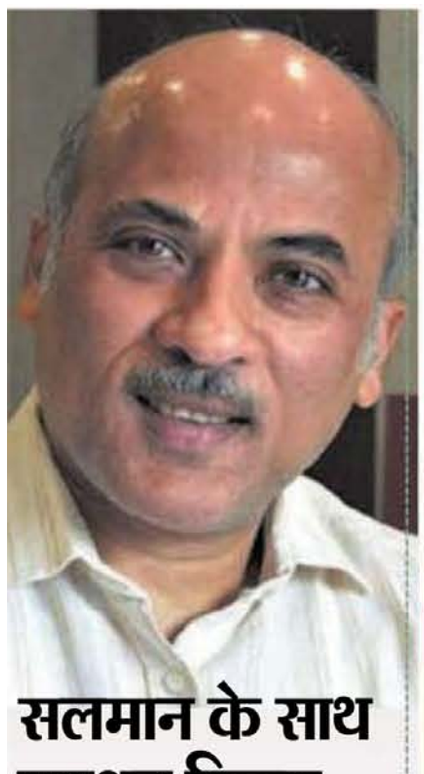

सलमान के साथ एक्शन फिल्म करना चाहते थे सूरज बड़जात्या

फिल्म डायरेक्टर सूरज बड़जात्या ने कहा है कि सुपरस्टार सलमान खान के लिए ऐसा काम करना जो आज के समय में रिलेवेंट और नया लगे, हमेशा एक बड़ी चुनौती रहती है। बड़जात्या सलमान के साथ एक एक्शन फिल्म बनाने की तैयारी में थे, लेकिन उन्होंने यह आइडिया छोड़ दिया क्योंकि वह सलमान के लिए सही कैरेक्टर नहीं बना पाए।

बड़जात्या ने कहा, कुछ विषय ऐसे होते हैं जिन्हें आगे नहीं बढ़ा पाते। कभी क्लाइमैक्स नहीं मिलता, कभी कैरेक्टर नहीं बनता। जब तक सब चीजें साथ नहीं आतीं, फिल्म बनाना समझदारी नहीं है। मैंने अब तक सात फिल्में बनाई हैं। मेरा यही फैसला है कि जब तक खुद को यकीन न हो, फिल्म नहीं बनाऊंगा। मुझे खुशी है कि सलमान भाई मेरे साथ हैं। आज उनकी उम्र में उनके लिए कुछ नया और रिलेवेंट बनाना और बड़ी चुनौती है। सूरज बड़जात्या और सलमान ने मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन..!, हम साथ साथ हैं और प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों में काम किया है। सूरज बड़जात्या और सलमान ने मैंने प्यार किया, हम आपके हैं कौन..!, हम साथ साथ हैं और प्रेम रतन धन पायो जैसी फिल्मों में काम किया है।

सलमान की बहुत बड़ी वापसी होगी

सलमान खान के करियर को तीन दशक से ज्यादा हो गए हैं। वह लगातार ब्लॉकबस्टर देने के लिए जाने जाते हैं, लेकिन हाल ही कुछ सालों में उनकी सिकंदर, किसी का भाई किसी की जान, राधे, और रेस 3 उस तरह खास प्रदर्शन नहीं कर पाई हैं। इसके बावजूद बड़जात्या सलमान के करियर को लेकर पॉजिटिव हैं। उन्होंने कहा,यह सबकी जिंदगी में होता है। फर्क सिर्फ इतना है कि वह सेलिब्रिटी हैं, इसलिए उन पर ज्यादा ध्यान जाता है, लेकिन हर किसी को गलती करने और सीखने का मौका मिलना चाहिए। हमें एक-दूसरे को आगे बढ़ने देना चाहिए। सलमान बहुत अच्छे इंसान हैं और काफी मजबूत भी हैं। वह बहुत बड़ा कमबैक करेंगे। इस समय दोनों अपने-अपने नए प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं। सूरज बड़जात्या एक फैमिली ड्रामा पर काम शुरू करने वाले हैं, जिसमें आयुष्मान खुराना और शरवरी नजर आएंगे। वहीं, सलमान खान ने फिल्म बैटल ऑफ गलवान की शूटिंग शुरू कर दी है।

नोरा फतेही ने लॉस एंजिल्स में डांस वर्कशॉप में मचाई धूम

ग्लोबल स्टार नोरा फतेही चार्ट्स और डांस फ्लोर, दोनों पर आग लगा रही हैं! लॉस एंजिल्स में, नोरा ने एक हाई-एनर्जी डांस वर्कशॉप में हिस्सा लिया, जहाँ उन्होंने फैन्स और डांसर्स के साथ मिलकर ओ मामा! टेटेमा कोरियोग्राफी में शानदार प्रदर्शन किया। नोरा सिर्फ दर्शक बनकर नहीं रहीं – उन्होंने खुद डांस फ्लोर पर उतरकर युवा डांसर्स और कलाकारों को अपनी जोशीली एनर्जी से प्रोत्साहित किया। पूरा माहौल जोश और उत्साह से भर गया, फैन्स ने नोरा के हर मूव को कैमरे में कैद किया, जब वह सभी को प्रोत्साहित कर रही थीं। यह वर्कशॉप सिर्फ एक इवेंट नहीं बल्कि एक उत्सव बन गया – संगीत, डांस और कम्युनिटी का उत्सव – जिसे नोरा हमेशा आगे बढ़ावा देती रही हैं। इस बीच, उनका नवीनतम ट्रैक ओह मामा! टेटेमा दुनिया भर में नई ऊँचाइयों को छू रहा है। यह गाना स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल सॉन्ग्स चार्ट पर 29वें स्थान पर पहुँच गया है और भारत में चौथे स्थान पर पहुँच गया है, जिससे इसके क्रॉसओवर प्रभाव का प्रमाण मिलता है। इस खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए, नोरा ने प्रशंसकों के साथ अपना उत्साह साझा किया- दोस्तों, मैं बहुत एक्साइटेड हूं। आज सुबह उठते ही मुझे एक जबरदस्त खबर मिली। ओ मामा! टेटेमा स्पॉटिफ़ाई के ग्लोबल वायरल चार्ट्स में नंबर 29 पर है। ग्लोबल चार्ट्स, समझे? ये पागलपन है! और हम इंडिया में नंबर 4 पर हैं। तो हम सच में आ रहे हैं आप सभी के लिए! मुझे लगता है ये गाना 2025 का समर एंथम बनने वाला है। और ये बस यू ही चलता ही रहेगा। मुझे ये गाना बहुत पसंद है, और मुझे पता है आप सबको भी बहुत पसंद है। मुझे लगता है हम इंस्टाग्राम पर एक मिलियन रील्स छूने वाले हैं। हर कोई इस पर डांस कर रहा है – ये पागलपन है! हर तरफ सिर्फ रील्स ही रील्स हैं। ये एक स्पेशल मोमेंट है, ठीक है? एक सिंगर और म्यूजिकल आर्टिस्ट के रूप में ये मेरे लिए बहुत बड़ी बात है। मैं आप सबको बहुत प्यार करती हूं।

जहाँ एक ओर 'ओ मामा! टेटेमा' ग्लोबल चार्ट्स पर छा गया है, वहीं नोरा 'कांचना 4' और कई अन्य फिल्मों के साथ स्क्रीन पर भी दस्तक देने को तैयार हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'उफ्फ ये सियापा' जल्द ही रिलीज होने वाली है। लेकिन एलए की उस वर्कशॉप में जिन फैन्स ने उनके साथ डांस किया, हँसे और वो पल जिए – उनके लिए असली जादू सिर्फ संगीत में नहीं था, बल्कि उस स्टार के विनम्र स्वभाव में था, जो हमेशा अपने चाहने वालों पर अपनी चमक बिखेरना कभी नहीं भूलती। प्लेलिस्ट्स पर राज करने से लेकर दुनियाभर में डांस फीवर जगाने तक, नोरा फतेही एक बार फिर साबित कर रही हैं कि वह एक सच्ची ग्लोबल सेंसेशन क्यों हैं।

अजुल को लेकर ट्रोलर्स के निशाने पर आए गुरु रंधावा

भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के बड़े सिंगर गुरु रंधावा अपने नए गाने 'अजुल' को लेकर इन दिनों विवादों में हैं। एक तरफ जहां गाना रिलीज होते ही ट्रेंडिंग लिस्ट में छा गया, वहीं अब सोशल मीडिया पर इसके कंटेंट को लेकर एक बड़ा वर्ग आपत्ति जता रहा है। आरोप है कि म्यूजिक वीडियो में स्कूल गर्ल्स की छवि के साथ खिलवाड़ किया गया है और उनकी तुलना शराब ब्रांड्स से की गई है। इसी के लिए अब सिंगर को लोगों की तरफ से आलोचना का सामना करना पड़ रहा है।

गाने को कंटेंट को लेकर उठे सवाल

'अजुल' में गुरु रंधावा एक फोटोग्राफर बने हैं, जो एक गर्ल्स स्कूल में क्लास फोटो खींचने पहुंचते हैं। यूजर्स की मानें तो जहां गाने में मासूमियत और सादगी दिखाई जानी चाहिए थी, वहां उन्हें अश्लीलता और भड़काऊ विजुअल्स दिखाई दिए। वीडियो में दिख रही सभी महिलाएं व्यस्क हैं, लेकिन उन्हें स्कूल की लड़कियों के रूप में दिखाया गया है। यही बात दर्शकों को खटक गई और आरोप लगा कि इस तरह के सीन युवाओं पर गलत असर डाल सकते हैं।

ट्रोलर्स के निशाने पर आए सिंगर

सोशल मीडिया पर 'अजुल' को लेकर तीखी बहस छिड़ गई है। एक यूजर ने लिखा, अजुल का वायरल होना अजीब है, जबकि लोग इस बात को नजरअंदाज कर रहे हैं कि गुरु रंधावा ने स्कूली लड़कियों की तुलना शराब से की। पीडोफिलिया को बढ़ावा देना सिर्फ अजीब बात नहीं, बल्कि घिनौना है। फिर भी, वह दूसरों को नीचा दिखाते हुए खुद बहुत ऊंचे और ताकतवर बन जाते हैं। वहीं एक और यूजर ने सिंगर की क्लास लगा दी। उन्होंने वीडियो जारी करते हुए कहा, ये देखकर हैरानी हुई कि 2025 में भी लोग सोशल मीडिया के प्रभाव को गंभीरता से नहीं लेते। बच्चे इसे देखकर क्या सोचेंगे? कितनी आसानी से पीडोफाइल बर्ताव को नॉर्मल बनाया जा रहा है।

गुरु रंधावा ने साधी चुप्पी

गाने के ट्रेंडिंग में आने पर जहां सिंगर ने अपने फैंस का शुक्रिया अदा किया वहीं उन्होंने इस मामले को लेकर फिलहाल कुछ नहीं कहा है। इन आरोपों पर उनकी तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

क्या कावेरी कपूर को भारत के सबसे मुश्किल रियलिटी शो के लिए किया गया है अप्रोच?

उभरती स्टार, बहुप्रतिभाशाली कावेरी कपूर को कथित तौर पर एक ऐसे रियलिटी शो के लिए अप्रोच किया गया है जिसे हाल के टेलीविज़न इतिहास के सबसे मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण रियलिटी शोज़ में से एक माना जा रहा है। शो की थीम के अनुसार प्रतिभागियों को ऐसे पावर डायनामिक्स और सामाजिक समीकरणों से गुजरना होगा, जहाँ उनके प्रभाव और स्थिति लगातार उनके फैसलों और रिश्तों के आधार पर बदलते रहेंगे। जिससे एक ऐसा माहौल बनता है जो भाग लेने के लिए पर्याप्त साहसी लोगों के लिए रोमांचक और भावनात्मक रूप से थका देने वाला दोनों हो सकता है।

कावेरी, जो अपने करियर को बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ा रही हैं, उनके लिए यह एक बड़ा मौका हो सकता है – जहाँ वह अपनी पर्सनालिटी, मानसिक मजबूती और आत्मविश्वास को देश के सामने रख सकती हैं। हालांकि, कावेरी या उनकी टीम से संपर्क करने की कोशिशें अब तक बेनतीजा रही हैं। इस शो की प्रतिष्ठा ही ऐसी है कि इसे कमज़ोर दिल वालों के लिए नहीं कहा जाता है – ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या कावेरी इसमें हिस्सा लेने के लिए हाँ कहती हैं या नहीं। कावेरी, जो पहले ही अपनी कविताओं, गीत लेखन, संगीत, और बॉलीवुड डेब्यू 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' के ज़रिए पहचान बना चुकी हैं, इस रियलिटी टीवी की दुनिया में कदम रखकर एक नया मोड़ ले सकती हैं। हालांकि यह उनके लिए एक अनदेखा और अनजाना सफर होगा, लेकिन उनकी मौजूदगी यकीनन दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनेगी। इसके साथ ही उनके पास 'मासूम 2' जैसी फिल्म भी है, जिससे ये साफ है कि कावेरी की झोली में कई बड़ी संभावनाएँ हैं। दर्शक बेसब्री से यह जानने का इंतज़ार कर रहे हैं कि कावेरी अगला कदम क्या उठाएंगी।

सोनाक्षी सिन्हा की 'जटाधरा' में हुई इस एक्ट्रेस की एंट्री

सोनाक्षी सिन्हा और सुधीर बाबू की मच अवेटेड फिल्म 'जटाधरा' का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फिल्म का टीजर सामने आने के बाद इसको लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई थी। अब फिल्म का नया पोस्टर सामने आया है, जिसमें फिल्म में एक नई एक्ट्रेस की एंट्री हुई है।

मेकर्स ने फिल्म 'जटाधरा' से अभिनेत्री शिल्पा शिरोडकर का लुक जारी कर दिया है। फिल्म में शिल्पा का स्वागत करते हुए मेकर्स ने उनके किरदार के बारे में भी जानकारी दी है। शिल्पा फिल्म में शोभा नाम का किरदार निभाएंगी। उनके किरदार में बारे में जानकारी देते हुए मेकर्स ने बताया कि 'वह सिर्फ लालच से प्रेरित नहीं है, बल्कि वह उसे परिभाषित भी करती है।' मेकर्स की ओर से जारी किए गए पोस्टर में शिल्पा काली साड़ी पहने हवन कुंड में जलती हुई आग के पास बैठी हैं। इस दौरान वो आग की ओर चीखते हुए जीभ निकाले हुए हैं। उनके आस-पास कई सारे कंकालों की खोपड़ी भी नजर आ रही है। साथ ही पीछे कई दीए जल रहे हैं। उनके लुक को देखकर ऐसा लगता है कि वो कोई तंत्र या पूजा वगैरह कर रही है।

मराठी आना फायदेमंद है, मगर इसके लिए हिंसा का सहारा नहीं लिया जाना चाहिए

इंस्टाग्राम पर अपने कॉमिक कॉन्टेंट के कारण कास्टिंग डायरेक्टर की निगाह में आए कॉन्टेंट क्रिएटर आदित्य ठाकरे को पहली बार के ऑडिशन में ही धड़क 2 जैसी फिल्म में अहम भूमिका मिल गई। मुंबईचा मुलगा आदित्य यहां अपने सफर पर बात करते हैं।

पिता का सपना पूरा किया

कॉन्टेंट क्रिएटर से एक्टर बनने के सफर के बारे में वे कहते हैं, मैं खुशकिस्मत हूं कि आज के दौर में पैदा हुआ, जब आज हमारे पास सोशल मीडिया और इंटरनेट है। आप अपना मौका खुद पैदा कर सकते हैं, जैसे मैंने किया। वरना मेरे पिताजी ने भी अभिनेता के रूप में काफी संघर्ष किया। वे भी अनगिनत ऑडिशन का हिस्सा रहे, मगर उन्हें मेरी तरह मौका नहीं मिला। वे ऑफिस से हाफ डे की छुट्टी लेकर ऑडिशन के लिए जाया करते थे। आज मैंने अपने पिता का सपना पूरा किया है। आपको शायद सुनकर अजीब लगे मगर मेरे पिता मेरी फिल्म 25-30 बार देख चुके हैं, थिएटर में जाकर। मेरे लिए यह गर्व की बात है।

मुझे जातिगत भेदभाव का सामना नहीं करना पड़ा

जातिगत भेदभाव पर वे कहते हैं, मुझे अपनी जाति का पता ज़िंदगी में दो ही बार चला था, जब मैंने टेंथ और ट्वेल्थ का फॉर्म भरा था। मुझे लगता था कास्ट सिस्टम होता ही नहीं। मगर ये फिल्म करने के बाद मैं इन मुद्दों को जान पाया और मैं इश्यूज के प्रति और संवेदनशील हुआ हूं। हमने जब उनसे पूछा कि मुंबई में मराठी भाषा को लेकर जो दबाव बनाया जा रहा है, उसके बारे में उनका क्या कहना है? कई विडियोज में तो इसके लिए हिंसा का सहारा भी लेते हुए दिखाया गया है, तो आदित्य बोले, देखिए, जोर तो नहीं दिया जाना चाहिए। हम सभी वायलेंस के सख्त खिलाफ हैं। मगर किसी भाषा का आना आपके लिए ही फायदेमंद होता है। अगर आपको फ्रांस जाना होता है, तो आपको वहां फ्रेंच का एग्जाम देना पड़ता है। इससे आपको काम के और मौके मिलेंगे। जो लोग महाराष्ट्र में हैं, उन्हें अगर मराठी नहीं आती, तो थोड़ी बहुत सीख लें, उन्हीं का फायदा होगा। जहां तक इस मुद्दे पर इंटरनेट पर आने वाले विडियोज की बात है, तो 30 सेकंड्स की रील पर क्या भरोसा किया जा सकता है, मगर इतना जरूर कहूंगा कि इस मामले में हिंसा का इस्तेमाल नहीं होना चाहिए।

पहले ऑडिशन में ही फिल्म मिल गई

बॉलिवुड में कई कलाकारों के लिए ऑडिशन का दौर बहुत लंबा होता है, मगर इस मामले में आदित्य ठाकरे भाग्यवान रहे। वे कहते हैं, मैं दोपहर में सो रहा था और मुझे एक ऑडिशन के लिए कॉल आया। ऑडिशन के बाद तीसरा दिन था और हम लोग गणपति विसर्जन के लिए जा रहे थे कि तभी कॉल आई कि करण जौहर के ऑफिस से बोल रहे हैं और आप चुन लिए गए हो। पहले तो मुझे लगा कि कोई प्रैंक कॉल है, मगर बाद में जब अहसास हुआ कि ये सच है, तो मैंने जोर से नारा लगाया, गणपति बप्पा मोरिया सबसे बड़ी बात ये है कि ये मेरा पहला ऑडिशन था, जो कास्टिंग डायरेक्टर उत्सव नरूला के जरिए हुआ और मैं पहले ही ऑडिशन में चुन लिया गया। फिल्म थी, धड़क और मेरा रोल था वासु का, जो फिल्म में नायक सिद्धांत चतुर्वेदी का दोस्त का था। तृप्ति और सिद्धांत दोनों ने मुझे हर तरह से सपोर्ट किया।

श्री सनातन धर्म रामलीला का हुआ भूमि पूजन, 22 से रामलीला शुरू

नोएडा (चेतना मंच)। श्री सनातन धर्म रामलीला समिति नोएडा द्वारा 40 वर्षों के सार्थक प्रयास से आयोजित रामलीला महोत्सव-2025 का नोएडा स्टेडियम सेक्टर 21ए रामलीला ग्राउंड में बड़े ही धूमधाम और हर्ष उल्लास के साथ रामलीला के कार्यो का शुभारंभ के लिए भूमि पूजन किया गया।

श्री सनातन धर्म रामलीला समिति के महासचिव एवं सांसद प्रतिनिधि संजय बाली ने बताया कि सांसद और संस्था के मुख्य संरक्षक डा. महेश शर्मा, कैप्टन विकास गुप्ता, श्रीमती विमला बाथम, विधायक पंकज सिंह के भाई अनिल सिंह के द्वारा पूजन हवन किया गया और साथ में सभी गणमान्य अतिथियों ने भूमि पूजन धरती माता की पूजा की एवं ध्वजारोहण किया। रामलीला के कार्यों को गति देने का काय प्रारंभ किया।

इस वर्ष रामलीला का भव्य आयोजन 22 सितंबर से प्रारंभ होकर 3 अक्टूबर तक किया जायेगा। सभी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई है। भूमि पूजन के उपरान्त समिति द्वारा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में समिति के पदाधिकारी एवं शहर के गणमान्य की उपस्थिति में पूजन हुआ और आगामी कार्यक्रम को सफल बनाने की विचार विमर्ष किया। इस शुभ अवसर पर संस्था के चेयरमैन डा. टीएन. गोविल, कार्यकारी अध्यक्ष सुषील भारद्वाज, स्वागताध्यक्ष पीयूष द्विवेदी जी, रामकुमार शर्मा, शुभकरण राणा, रमेश कुमार, अल्पेश गर्ग, प्रमोद रंगा, विपिन मल्हन अध्यक्ष एन.ईए., अतुल मित्तल, विकास जैन, राधा कृष्ण गर्ग, अनिल खण्डेलवाल, सौरभ गोविल, मित्रा शर्मा, एन. के. अग्रवाल, डा. एस. पी. जैन, गौरव सिंहल, प्रताप मेहता, वीरेन्द्र मेहता, विनीत मेहता, एन.पी. सिंह, पी.के. अग्रवाल, मनोज शर्मा, मुकेष शर्मा, रामनिवास बंसल, आलोक दिवेदी, राकेष कत्याल, डिम्पल आनंद, रमेष कुमार, अनुज गुप्ता, विपिन बंसल, डी. के. मिततल, विनय शर्मा, रामरतन शर्मा, संजय गुप्ता, अतुल वर्मा, महेन्द्र कटारिया, पवनदीप सिंह, चितरंजन, शषीधर उपाध्याय, अषोक मिश्रा, मनीष तिवारी, नीरज चैधरी, विकास तिवारी, अर्चना राय, देवेन्द्र गंगल, सौरभ अग्रवाल, एस.सी. गोयल, प्रमोद बहल, राजेष नेगी, अमित अग्रवाल, सुधीर पोरवाल, भूपेन्द्र सिंह आदि काफी संख्या में शहर के गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

राजनीतिक भागीदारी बढ़ाएं वैश्य समाज : अनिल अग्रवाल

वैश्य समाज को अब अपनी एकजुटता दिखानी होगी : कैप्टन विकास गुप्ता

नोएडा (चेतना मंच)। अंतरराष्ट्रीय वैश्य संगठन के तत्वावधान में नोएडा में विराट वैश्य महासम्मेलन का आयोजन किया गया। विराट वैश्य महासम्मेलन में पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज ने हमेशा देने का काम किया है। हमारी संख्या 35 करोड़ है लेकिन राजनीति में हमारी हिस्सेदारी बहुत कम है। आज आवश्यकता अपनी कमी को दूर करने की है। नोएडा में सबसे ज्यादा जनसंख्या वैश्य समाज की है लेकिन फिर भी राजनीति में हमारी हिस्सेदारी नहीं है। हमें अपनी ताकत दिखानी होगी।

दर्जा राज्यमंत्री कैप्टन विकास गुप्ता ने कहा कि आज वैश्य समाज बहुत पिछड़ा हुआ है। हमें अपनी ताकत को पहचानना होगा। अपने समाज को बचाना है और समाज की राजनीतिक चेतना को जगाना है तो हमें अपनी एकजुटता दिखानी होगी। उत्तर प्रदेश सरकार के आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल, पूर्व राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल, भाजपा प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल, पूर्व मंत्री नितिन गुप्ता व अन्य गणमान्य अतिथि शामिल हुए। वैश्य महासम्मेलन में संगठन के उपाध्यक्ष जितेन्द्र अग्रवाल, सुधीर पौरवाल, महेश बाबू गुप्ता, राजीव पौरवाल अध्यक्ष जय वैश्य समाज, एडवोकेट कुणाल गर्ग, सत्य नारायण गोयल, अमित पौरवाल, मुनीश गर्ग, शशि जिंदल नगर अध्यक्ष भंगेल, शैलेन्द्र बरनवाल, मनोज गुप्ता, सचिन गुप्ता व नवीन गर्ग आदि मौजूद रहे।

मोदीनगर, मेरठ, मुजफ्फरनगर, खतौली, डिबाई, बुलंदशहर, अलीगढ़, दिल्ली, फरीदाबाद, सोनीपत, बहरोड़, ग्रेटर नोएडा, बिलासपुर, दनकौर, जेवर, एटा, इटावा, मैनपुरी, महेबा, फंफूद, मथुरा आदि जगहों के साथ साथ अनेक जगहों से हजारों की संख्या में वैश्य बंधु उपस्थित रहे।

मोदी के विचार सभी के लिए संकल्प का स्रोत हैं : नवाब सिंह नागर

नोएडा (चेतना मंच)। आज अटल बिहारी वाजपेयी मंडल के अंतर्गत ग्राम बरौला स्थित नोएडा कॉन्वेंट स्कूल बूथ संख्या 304 पर भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री नवाब सिंह नागर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रेरणादायी कार्यक्रम 'मन की बात' को सुना। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी के विचार हम सभी के लिए ऊर्जा, उत्साह और नए संकल्प का स्रोत हैं। यह संवाद राष्ट्र निर्माण की दिशा में हम सभी को मार्गदर्शन प्रदान करता है।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष नीरज चौधरी, राजवीर प्रधान, इंद्रराज खटाना, धर्मवीर चौहान, उमेश चौहान, पुनीत चौहान,गोविंद कोरंगा एवं अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुरीतियों के शमन को एकजुट हों ब्राह्मण समाज : कलराज मिश्र

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित मालवीय स्मृति भवन में विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में ब्राह्मण समाज को आगे बढ़ाने तथा समाज में व्याप्त कृतियों पर काबू पाने सहित अन्य विषयों पर गंभीरता से विचार विमर्श किया गया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर करने के लिए सभी को आगे आना होगा। इसके लिए ब्राह्मण समाज को एकजुट होना होगा तभी समाज में व्याप्त कुरीतियों को दूर किया जा सकता है। बैठक में ब्राह्मण समाज के बेरोजगार युवाओं को भी रोजगार उपलब्ध कराने सहित अन्य विषयों पर चर्चा हुई।

महासभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पं. पीतांबर शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज के प्रमुख उद्यमियों से संपर्क कर उनसे योग्यता के अनुसार समाज के बेरोजगार युवकों को रोजगार उपलब्ध कराए जाने की मांग उठाई जाएगी। इसके अलावा निर्धन कन्याओं के विवाह की भी महासभा द्वारा विवाह करवाने की रूपरेखा बनाई जा रही है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि आगामी 11 अक्टूबर को नई कार्यकारिणी की घोषणा की जाएगी। बैठक में उपस्थित लोगों ने ब्राह्मण समाज को एकजुट कर उसे आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। बैठक में पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र के अलावा पश्चिम बंगाल से पूर्व विधायक अरविंद भट्टाचार्य, पूर्व विधायक सतीश, अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट पंडित पीतांबर शर्मा, डॉक्टर वंदना वशिष्ठ, श्रीमती अर्चना पांडे विधायक छपरा मऊ, शरद वशिष्ठ पूर्व सांसद, पूर्व मंत्री अशोक वाजपेई, मनोज शास्त्री, मुकेश शर्मा सहित अमेरिका और इंग्लैंड सहित 11 देशों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया ।

शीघ्र बूथ कमेटी तैयार कर प्रदेश को भेजें : प्रदीप नरवाल

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव ने संगठन सृजन को लेकर की बैठक

नोएडा (चेतना मंच)। कॉंग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय सचिव और उत्तर प्रदेश सहप्रभारी प्रदीप नरवाल ने पश्चिम उत्तर प्रदेश के 14 जिला, शहर अध्यक्ष और संगठन सृजन कोडिनेटर के साथ गाजियाबाद मैं बैठक कर रिपोर्ट तलब की।

बैठक में राष्ट्रीय सचिव प्रदीप नरवाल ने सभी को दिशा निर्देश दिए कि जल्द ही अपनी पूरी बूथ स्तर तक की कमेटी को लखनऊ भेज दें जिससे हम मजबूती के साथ आने वाला पंचायत चुनाव लड़े और राहुल गांधी द्वारा उठाए गए वोट चोरी मुद्दे को लेकर भाजपा को घेरने का काम करना है।

इस बैठक में हापुड़ शहर कोडिनेटर व प्रदेश सचिव पुरुषोत्तम नागर, महानगर अध्यक्ष मुकेश यादव, अनिल यादव, सतेन्द्र शर्मा, लियाकत चौधरी, लोकेश चौधरी, राकेश त्यागी, इरफान कुरेशी, मिथुन त्यागी,जिया उर रहमान, सुभाष गांधी, नरेश भाटी, पौरुष शर्मा, जोगेश नेहरा, गौरव भाटी, सबी खान, पंकज तेज़ानिया, अमित बंसल, दीपक मोगे, मनोज कौशिक आदि शामिल रहे।

सेक्टर-34 में धूमधाम से मनाई राधाष्टमी

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-34 कम्युनिटी सेंटर में रविवार को श्री राधा अष्टमी बहुत ही धूमधाम से मनायी गयी। इस अवसर पर श्री राधा सेवा समिति द्वारा फेडरेशन ऑफ़ आरडब्ल्यूए सेक्टर-34 के सहयोग से आयोजित कार्यक्रमों में महिलाएं श्रद्धा की डोर में बंधकर झूमती रहीं। ढोलक की थाप पर गाये जा रहे भक्ति गीतों पर महिलाओं ने ऐसा नृत्य किया कि बरसाने जैसा माहौल हो गया। राधा शर्मा एवं प्रीती शर्मा ने भजन-कीर्तन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की। सहस्त्र पंचगव्यों से राधारानी का महाभिषेक किया गया, फिर महाआरती की गयी।

फेडरेशन आरडब्ल्यूए महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा ने कहा कि राधा रानी भगवान की तीन शक्तियों में अंतरंगा, बहिरंगा व तटस्थ अंतरंग शक्ति है। राधा रानी और कृष्ण में कोई अंतर नहीं है। बिना राधा रानी की कृपा से कृष्ण भक्ति प्राप्त नहीं हो सकती। उन्होंने बताया कि सेक्टर में श्री राधाष्टमी का आयोजन प्रथम बार आयोजित किया गया है जिसमें निवासियों ने भजनों झांकियों नृत्य एवं महाप्रसाद का भरपूर आनंद उठाया।

GRV BUILDCON
Concept to reality
ARCHITECTURE/ CONSTRUCTION / INTERIORS
WE DON'T DESIGN HOME/ OFFICE
WE DESIGN DREAMS!
Certified by :
ISO 9001 CERTIFIED
startupindia
MSME
Contact Us : 9999472324, 9999082512
www.grvbuildcon.com

आज से हर जिले में शुरू होगा स्वदेशी जनजागरण अभियान : विनीत अग्रवाल

विकास जैन को बनाया भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ का जिला संयोजक

नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष विनीत शारदा व महानगर अध्यक्ष महेश चौहान द्वारा आज उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष विकास जैन को भारतीय जनता पार्टी जिला संयोजक नोएडा घोषित किया गया।

सेक्टर-51 वेडिंग मिला में आयोजित कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि हमें एक कर्मठ कार्यकर्ता की ज़रूरत थी जो भारतीय जनता पार्टी की धारा के साथ मिलकर कार्य करें। उन्होंने कहा कि हमें एक मज़बूत साथी के रूप में कंधे से कंधा मिलाकर समाज और व्यापारियों के लिए कार्य करना है। विकास जैन इसके लिए एक बहूत ही उपयुक्त नाम हम लोगों को समझ आया। भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के आह्वान पर 1 सितंबर से पूरे प्रदेश में स्वदेशी जन जागरण अभियान शुरू होगा।

भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि 1 सितंबर से 15 सितंबर तक हर जिले के हर प्रमुख बाजार में स्वदेशी जनजागरण हस्ताक्षर अभियान शुरू किया जाएगा 15 सितम्बर से 25 सितम्बर तक स्वदेशी अपनाने एवं विदेशी सामानों का बहिष्कार करने के लिए पेंपलेट वितरित किए जाएंगे। इसके बाद 11 सितंबर से 25 सितंबर तक प्रदेश के हर जिले कस्बे ओर बाज़ार में चौपाल लगाई जाएगी। इसमें व्यापारियों को ज्यादा से ज्यादा देश में निर्मित सामान बेचने और लोगों से ज्यादा से ज्यादा स्वदेशी सामान खरीदने की अपील की जाएगी।

विनीत शारदा ने कहा कि व्यापारिक गोष्ठियों के आयोजन के साथ साथ 26 अक्टूबर से 1 दिसम्बर तक हर जिले में बड़े व्यापारिक सम्मेलन होंगे जिनमें देश एवं प्रदेश के मंत्री एवं पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे।

कार्यक्रम में सतपाल जैन, महेश अवाना, ओमवीर अवाना, कैप्टन नवाब सिंह, ब्रिजभान सिंह, मनबीर सिंह, अशोक राय, क्षेत्रीय संयोजक विनोद गोयल, क्षेत्रीय सह संयोजक धीरज गोयल, प्रमुख उद्योगपति पीयूष द्विवेदी, अग्रवाल मित्र मंडल के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अनुज गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष मुकेश गुप्ता, उत्तर प्रदेश युवा व्यापार मंडल के प्रदेश चेयरमैन नवनीत गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष निखिल अग्रवाल, महामंत्री सचिन गोयल, कोषाध्यक्ष अंकुर बंसल, उद्योग प्रकोष्ठ के अध्यक्ष शक्तिसिंह, दीपक मस्ताना, मोती राम, संजय अग्रवाल, अभिषेक शर्मा, अभिषेक गुप्ता, गौरव अग्रवाल, अजय सोनी, महिला प्रकोष्ठ की श्रेया सिंह व चारु जैन, क्रॉकरी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेश जिंदल, सह सचिव शिवा चौहान, मनीष शर्मा, ग्रेटर नोएडा के अध्यक्ष रवि शर्मा व नोएडा व ग्रेटर नोएडा के तमाम व्यापारी सम्मिलित हुए।